रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

गुरुवार

02 जुलाई -2026

वर्ष 10, अंक 298

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल को मंजूरी

● मोदी कैबिनेट ने दूर की बाधा 6970 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को दो अहम हाइवे प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। इनमें दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल परियोजना शामिल है। साथ ही कानपुर-भोपाल के बीच कनेक्टिविटी सुधारने के लिए भी एक योजना को मंजूरी दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इन प्रस्तावों को मजूरी दी गई। दिल्ली में द्वारका टनल पर 6970 करोड़ रुपये खर्च होंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट ने एनएच-148एई से द्वारका एक्सप्रेस को जोड़ने के लिए 6 लेन की टन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लंबाई 8.1 किमी होगी और इस पर 6969.67 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसे हाइब्रिड एन्युटी मोड पर बनाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट अर्बन एक्सटेंशन रोड 2/द्वारका एक्सप्रेसवे को दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज से जोड़ेगा।

राजस्थान में बस-ट्रेलर भिड़े, 8 लोगों की मौत

● डीएन टेस्ट से पहचान होगी आग में फंसे थे 40 पैसेंजर्स

दौसा (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार देर रात बस-ट्रेलर की भिड़ंत हो गई। एक्सीडेंट में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें 6 लोगों की मौत आग में झुलसने से और 2 की सिर पर चोट लगने के कारण हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक्सीडेंट कोलवा थाना क्षेत्र में हुआ है। बस ऋषिकेश से इंदौर जा रही थी

स्लीपर में मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों के 40 पैसेंजर्स थे। इनमें 21 लोग घायल भी हैं। 6 मृतकों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद बॉडी परिवार को सौंपी जाएगी। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों का दावा है बस के स्टोरेज बॉक्स में सिगरेट भरी हुई थी। एमएलए बोले- इमरजेंसी गेट के कारण फंसे- दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा का दावा है कि स्लीपर बस में आग लगने के बाद पैसेंजर्स बाहर ही नहीं निकल सके। इसका बड़ा कारण है बस का इमरजेंसी गेट ही नहीं खुला। बस के पैसेंजर ने बताया कि स्लीपर हंस ट्रेवल्स की थी। हादसे के बाद तुरंत मदद नहीं मिल सकी।

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

● ईरान ने लिखा-आपका आना आपसी सम्मान का प्रतीक

तेहरान (एजेंसी)। जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर में कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित रहेगी। भारत सरकार की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। समुद्री निगरानी करने वाली कंपनी केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को होर्मुज से कुल 40 जहाज गुजरे।

नार्थ-ईस्ट में भारी बारिश से तबाही के हैं हालात

● जम्मू-कश्मीर में बादल फटा, अरुणाचल में बाढ़ ● एमपी-बिहार में बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत ● जुलाई में सामान्य से कम बारिश का है अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इससे पहले कीयी पन्योर में बाढ़ में 3 लोग बह गए थे। अधिकारियों के मुताबिक 2 लोग लापता हैं। 28 जिलों के 90 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए। बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए। एक ही मौत हुई। उत्तराखंड में बारिश से देहरादून में रिस्पना नदी उफान पर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ऋषिकेश में मंगलवार शाम से राफ्टिंग पर 31 अगस्त तक रोक लगा दी गई है।

दिल्ली, राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंचा

मानसून ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में एंट्री कर ली। अब दिल्ली और राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। देश में इस साल जून महीने में 1901 के बाद पांचवीं सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में सामान्य 165.3 एमएम के मुकाबले केवल 99.5 एमएम बारिश हुई, जो 39.8 फीसदी कम है। आईएमडी ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और पूरे जम्मू-कश्मीर में पहुंच सकता है। अल नीनो के असर के कारण इस साल मानसून प्रभावित हुआ है।

दुश्मनी खत्म करें | बातचीत और रिश्ते फिर शुरू हों

भारत-पाक की 117 प्रमुख हस्तियों ने मोदी-शहबाज को लिखा पत्र

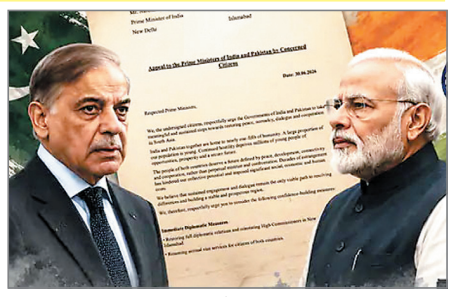

नई दिल्ली/इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके। इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरजेडी सांसद मनोज झा समेत 61 लोगों और पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी समेत 56 लोगों ने चिट्ठी पर साइन किए हैं। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब हाल के महीनों में भारत और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव बना हुआ है। इनका कहना है कि लगातार बढ़ती शत्रुता से दोनों देशों के विकास, क्षेत्रीय स्थिरता और आम नागरिकों के हित प्रभावित हो रहे हैं।

अयोध्या मामले में बढ़ गई एसआईटी जांच की समय-सीमा

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में दान प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की बढ़ी मुसीबत

● गिरफ्तारी वारंट जारी, कोर्ट ने कहा-पुलिस उन्हें क्यों नहीं ढूंढ पा रही

ग्वालियर (एजेंसी)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। यह वारंट ग्वालियर की एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से जारी किया गया है। यह पूरा घटनाक्रम साल 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। साथ ही कोर्ट ने पुलिस को भी फटकार लगाई है।

2024 लोकसभा चुनाव से जुड़ा है मामला

दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनाव में जीतू पटवारी भिंड जिले में पहुंचे थे। यहां उमरी इलाके में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर यह बात कही थी कि बीएसपी के प्रत्याशी देवाशीष जरारिया बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। यह बयान सामने आने के बाद देवाशीष जरारिया के चुनावी प्रतिनिधि अशोक गुप्ता ने इस बात की शिकायत उमरी थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद जीतू पटवारी पर एफआईआर दर्ज कर ली गई थी। इसी मामले की लंबे समय से सुनवाई चल रही थी। एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से कई बार जीतू पटवारी को सम्मन जारी किए गए थे। लेकिन वह कोर्ट में पेश नहीं हुए। बीते रोज इसी मामले में सुनवाई करते हुए एमपी एमएलए कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

कानून-व्यवस्था पर सीएम हेमंत सख्त: जमशेदपुर SSP और सरायकेला SP हटाए गए, बड़े अधिकारी करेंगे कैंप

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

रांची। झारखंड में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को बड़ा प्रशासनिक एक्शन लिया। जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए सीएम ने दोनों जिलों के पुलिस कप्तानों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। मुख्यमंत्री ने खुद अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर इस फैसले की जानकारी दी। सीएम ने जमशेदपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय और सरायकेला-खरसावां की पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी को पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है।

सीएम ने बताई कार्रवाई की वजह -मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पोस्ट में स्पष्ट किया कि दोनों अधिकारियों को विधि-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने

में लापरवाही के कारण हटाया गया है। दरअसल, हाल ही में जमशेदपुर के बिष्टुपुर में पुलिस की मौजूदगी में ही एक हत्या की वारदात हो गई थी। इस घटना के बाद जमशेदपुर पुलिस की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठ रहे थे। इसी को गंभीरता से लेते हुए सीएम ने यह कड़ा कदम उठाया।

सीएम हेमंत सोरेन ने 'एक्स' पर लिखा: 'पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक एवं सरायकेला-खरसावां के पुलिस अधीक्षक को विधि-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में लापरवाही के कारण तत्काल प्रभाव से उनके पदों से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध करने का निर्णय मैंने लिया है।... '

वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी कमान, जमशेदपुर में करेंगे कैंप -क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों को मैदान में उतार दिया है। चाईबासा के आयुक्त और रांची के अपर पुलिस महानिदेशक मनोज कौशिक को निर्देश दिया गया है कि वे लगातार क्षेत्र में कैंप कर जमीनी हालात की निगरानी करें और प्रतिदिन स्थिति की समीक्षा करें। इसके अलावा कोल्हान के डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा को भी आदेश दिया गया है कि वे स्वयं जमशेदपुर में मौजूद रहकर कानून-व्यवस्था की पल-पल की मॉनिटरिंग करेंगे। 'जनता की सुरक्षा सर्वोपरि': सीएम हेमंत मुख्यमंत्री ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि आम जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ बेहद कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही चेतावनी दी कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कोई भी अधिकारी अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकेगा।

हत्या से पहले सिया ने छीन लिया था केतन का फोन

क्या डिलीट की चैट और कॉल? पुलिस ने सब बताया

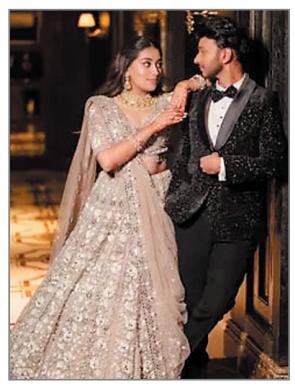

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे के हाई-प्रोफाइल केतन अग्रवाल मर्डर केस में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। बुधवार को पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या से पहले केतन की मंगेतर सिया ने उसका मोबाइल फोन कुछ समय के लिए ले लिया था। हालांकि बाद में सिया ने केतन के एक रिश्तेदार को उसका मोबाइल सौंपा दिया था। अब पुलिस इस तफ्तीश में जुटी है कि क्या सिया ने केतन के मोबाइल से कोई सुराग मिटाए थे। पुणे पुलिस ने पुष्टि की है कि केतन की हत्या के बाद कुछ समय तक उसका फोन सिया के पास था, लेकिन यह साफ नहीं है कि कोई छेड़छाड़ की गई थी या नहीं।

आरोपी अविनाश के घर मिला मंदिर का संदूक

● रामंदिर चोरी: लिखा था-रामराज्य कोष, क्यूआर कोड भी चिपका था

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद आरोपी अविनाश शुक्ला के अयोध्या स्थित योग केंद्र से पुलिस ने एक संदूक बरामद किया है। उस पर लाल रंग से रामराज्य कोष लिखा था। पेटीएम का क्यूआर कोड लगा था। 28 जून को हुई पुलिस की छापेमारी का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया। इस बीच, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ मेदांता में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने बताया- महंत को 29 जून यानी सोमवार को लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ और यूरिन इन्फेक्शन था। मंगलवार को पुलिस ने फैजाबाद जेल में बंद सभी

अविनाश शुक्ला आरोपी

आठों आरोपियों से पूछताछ की। सबसे लंबी पूछताछ अविनाश से हुई। दो घंटे चली पूछताछ में 5 जून को अविनाश के घर से बरामद कैश और गहनों को लेकर सवाल-जवाब किए गए। अविनाश के घर से 14 लाख कैश मिला था।

चंपत राय से 3 घंटे तक पूछताछ

चंपत राय से रविवार को पुलिस ने करीब 3 घंटे पूछताछ की थी। पूछा कि उन्हें चढ़ावा चोरी का पता पहली बार कब और कैसे लगा। उसके बाद क्या-क्या किया। इससे पहले, कोर्ट ने सोमवार को चढ़ावा चोरी में गिरफ्तार 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। राम मंदिर में पिछले 17 साल से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारी अर्जुन देव का तबादला गोरखपुर कर दिया गया। एसआईटी ने उनकी भूमिका को भी जांच के दायरे में लिया है।

पांच साल बाद जागा झारखंड सूचना आयोग, चार नए सूचना आयुक्तों ने ली शपथ

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/

रांची। करीब पांच साल के लंबे इंतजार के बाद झारखंड राज्य सूचना आयोग फिर से सक्रिय हो गया है। बुधवार को लोक भवन के दरबार हॉल में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नवनियुक्त चार सूचना आयुक्तों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सूचना आयुक्तों में वरिष्ठ पत्रकार अनुज सिन्हा, झामुमो के पूर्व प्रवक्ता तनुज खत्री, भाजपा के पूर्व मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक और कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव अमूल नीरज खलखो शामिल हैं। इन नियुक्तियों के साथ ही

आयोग में लंबे समय से रिक्त पड़े सूचना आयुक्तों के पद भर गए हैं। अब सूचना के अधिकार के तहत लंबित अपीलों और शिकायतों की सुनवाई नियमित रूप से शुरू हो सकेगी।

10 जून को जारी हुई थी अधिसूचना -राज्य सरकार ने राज्यपाल की सशर्त मंजूरी के बाद 10 जून को चारों सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में 25 मार्च को हुई चयन समिति की बैठक में इन नामों पर सहमति बनी थी। इसके बाद नियुक्ति से जुड़ी फाइल राजभवन भेजी गई, लेकिन प्रक्रिया पूरी होने में काफी समय लगा। राज्यपाल ने उठाए थे निष्पक्षता और चयन प्रक्रिया पर सवाल सूचना आयोग जैसे अर्ध-न्यायिक संस्थान में नियुक्ति को लेकर राजभवन ने उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि, निष्पक्षता और चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल पूछे थे। राज्यपाल ने सरकार से यह जानकारी मांगी थी कि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों की योग्यता और स्वतंत्र रूप से कार्य करने की क्षमता का मूल्यांकन किस आधार पर किया गया। सरकार ने जवाब में कहा कि चयन समिति ने सूचना का अधिकार अधिनियम के नियमों के अनुसार पूरी प्रक्रिया अपनाई है। सरकार का कहना था कि जिन नामों की अनुशंसा की गई है, वे सभी कानून के प्रावधानों के अनुरूप हैं। इसके बाद भी फाइल कुछ बिंदुओं पर दोबारा लौटाई गई। सरकार ने तीसरी बार उन्हीं नामों को मंजूरी के लिए भेजा, जिसके बाद राज्यपाल ने नियुक्ति को स्वीकृति दे दी।

नवंबर 2019 से खाली था मुख्य सूचना आयुक्त का पद - झारखंड राज्य सूचना आयोग में लंबे समय से पद खाली पड़े थे। मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल नवंबर 2019 में समाप्त हो गया था। इसके बाद आयोग में मौजूद एकमात्र सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी को कार्यवाहक मुख्य सूचना आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई थी। 8 मई 2020 को उनका कार्यकाल भी समाप्त हो गया। इसके बाद से आयोग में सूचना आयुक्त का कोई पद भरा नहीं था। करीब पांच साल तक आयोग के कामकाज पर इसका असर पड़ा और बड़ी संख्या में मामले लंबित होते गए।

संक्षिप्त समाचार

दुमका में लापता किशोरी का शव कुएं से बरामद, ऑनर किलिंग की आशंका

दुमका, एजेंसी। दुमका के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के चीलरा गांव में बुधवार को 15 वर्षीय किशोरी पूजा कुमारी का शव उसके घर के पास बहियार स्थित एक कुएं से बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस स्थान से शव मिला, वह मृतका के गांव के बिल्कुल बगल में स्थित है। घटना के बाद ऑनर किलिंग की आशंका जताई जा रही है। बुधवार को ग्रामीणों ने घर के पास स्थित कुएं में शव देखे जाने की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई विकेश मेहरा एवं एएसआई मनोज सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कुएं से बाहर निकाला।शव की स्थिति बेहद संदिग्ध बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतका की जीभ बाहर निकली हुई थी, जिससे दम घुटने या हत्या की आशंका और प्रबल हो गई है। मामले ने उस वक्त नया मोड़ ले लिया जब यह बात सामने आई कि किशोरी का एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस खुलासे के बाद क्षेत्र में ऑनर किलिंग की आशंका को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। खासकर शव का गांव के बगल में ही मिलना कई सवाल खड़े कर रहा है और संदेह को और गहरा कर रहा है। फिलहाल पुलिस कॉल डिटेल, मोबाइल लोकेशन और संबंधित लोगों से पूछताछ के आधार पर मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

श्रीलंका में बोकारो के मल्लिकार्जुन का जलवा, जंप रोप में दो स्वर्ण जीत भारत का बढ़ाया मान

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के युवा खिलाड़ी मल्लिकार्जुन मिश्रा ने श्रीलंका के कोलंबो में 27 से 30 जून तक आयोजित दक्षिण एशियाई युवा खेल –2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीतकर न सिर्फ झारखंड, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में भारत ने कुल 12 स्वर्ण पदक अपने नाम किए, जिसमें मल्लिकार्जुन के दो स्वर्ण पदकों का अहम योगदान रहा। एकलव्य स्पोर्ट्स आर्ट एंड कल्चर अकादमी और बोकारो जिला जंप रोप संघ के खिलाड़ी मल्लिकार्जुन ने फ्रीस्टाइल स्पर्धा में पहला स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में नेपाल दूसरे और बांग्लादेश तीसरे स्थान पर रहा। इसके बाद उन्होंने ट्रिपल अंडर स्पर्धा में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में भूटान दूसरे और बांग्लादेश तीसरे स्थान पर रहा।मल्लिकार्जुन मिश्रा, बोकारो निवासी ब्रज भूषण मिश्रा और कुसुम मिश्रा के बेटेहैं। उनके पिता ब्रज भूषण मिश्रा सेल के हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) में चार्जमैन के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता कुसुम मिश्रा गृहिणी हैं। परिवार के सहयोग और प्रोत्साहन ने उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।मल्लिकार्जुन ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय नियमित अभ्यास, अपने माता–पिता के सहयोग और अपने कोच राहुल प्रताप के मार्गदर्शन को दिया। कोच राहुल प्रताप ने कहा कि मल्लिकार्जुन की यह उपलब्धि पूरे झारखंड और भारत के लिए गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि वह भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए और अधिक पदक जीतेंगे तथा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगे।

दुमका में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म, सुनसान इलाके में घेरकर वारदात को दिया गया अंजाम

दुमका, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे दुमका जिले के टोंगरा थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक युवती के साथ तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। युवती सखुआ पत्ता से बनी थालियां बेचकर घर लौट रही थी। पीड़िता ने तीनों में से दो आरोपियों की पहचान कर ली है, जो पश्चिम बंगाल के राजनगर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। एफआईआर के अनुसार, पीड़िता सोमवार को पश्चिम बंगाल के राजनगर थाना क्षेत्र में सखुआ पत्ता की थालियां बेचने गई थी। शाम को जब वह टोंगरा स्थित अपने घर लौट रही थी, तब झारखंड–पश्चिम बंगाल सीमा के पास पहले से घात लगाए बैठे तीन युवकों ने उसे घेर लिया। आरोपियों ने युवती को सुनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। देर शाम रोते हुए घर पहुंची युवती ने अपनी मां को पूरी घटना बताई। मां अपनी बेटी को लेकर मंगलवार को टोंगरा थाना पहुंची और प्राथमिकी दर्ज कराई। पीड़िता ने दो आरोपियों की पहचान कर ली है। इन दोनों का नाम पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिला के राजनगर थाना अंतर्गत कुड़लमटिया गांव के दीपक राणा और सर्वेश्वर सोरेन है। तीसरा आरोपी अभी अज्ञात है। पुलिस ने दो नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ टोंगरा थाना में एफआईआर दर्ज कर ली है। टोंगरा थाना प्रभारी गुरूचरण मांझी ने बताया कि सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेज दिया गया है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।घटना झारखंड के टोंगरा थाना क्षेत्र में हुई है, लेकिन दो मुख्य आरोपी पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। दोनों राज्यों की सीमा पर होने वाली इस घटना में पुलिस अब अंतरराज्यीय समन्वय के साथ आगे की जांच कर रही है।

सीएम हेमंत सोरेन का बड़ा एक्शन

जमशेदपुर एसएसपी और सरायकेला एसपी को हटाया गया

रांची, एजेंसी। जमशेदपुर बार में हुए हत्याकांड को लेकर अब राज्य सरकार एक्शन में दिख रही है. तत्काल प्रभाव से जमशेदपुर एसएसपी और सरायकेला एसपी को उनके पदों से हटाकर पुलिस मुख्यालय भेजने का आदेश जारी कर दिया गया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस आदेश की जानकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की है. गौरतलब है कि जमशेदपुर एसएसपी पीयूष पांडे और सरायकेला एसपी निधि द्विवेदी पति-पत्नी हैं.

मुख्यमंत्री ने लिखा है कि पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक एवं सरायकेला-खरसावां के पुलिस अधीक्षक को विधि-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में लापरवाही के कारण तत्काल प्रभाव से उनके पदों से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध करने का निर्णय मैंने लिया है.

चाईबासा के आयुक्त एवं रांची के एडीजी को क्षेत्र में लगातार कैंप कर स्थिति की प्रतिदिन समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है. साथ ही डीआईजी कोल्हान जमशेदपुर में रहकर कानून-व्यवस्था की निगरानी करेंगे. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नही जाएगा . उन्होने ये भी साफ कर दिया की किसी भी स्तर पर लापरवाही या जवाबदेही से बचने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

गौरतलब है कि जमशेदपुर में पुलिस की मौजूदगी में करणी सेना के नेता हिमांशु सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी. घटना के बाद जमशेदपुर में भारी बवाल हुआ और पुलिस पर पथराव भी किया गया.

इस घटना ने कानून-व्यवस्था और पुलिस की तत्परता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए थे. पिछले वर्ष करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. लगातार ऐसी घटनाओं से प्रदेश की विधि-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे थे. जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र स्थित बार के बाहर हुए हिमांशु सिंह हत्याकांड को लेकर सियासत भी शुरू हो गई थी. पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के साथ-साथ पूरा विपक्ष कानून-व्यवस्था की लचर स्थिति पर सवाल उठा रहा था और राज्य सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा था.

यह घटनाएं संकेत दे रही थीं कि जमशेदपुर में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. इस मामले को लेकर जमशेदपुर पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगे थे. इससे पहले बिष्टुपुर थाना प्रभारी सहित चार पुलिसकर्मियों को भी निलंबित किया गया था.

दोनों अधिकारियों को हटाए जाने की जानकारी सीएम हेमंत सोरेन ने खुद एक्स पर पोस्ट कर दी। उन्होंने लिखा है कि पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक एवं सरायकेला-खरसावां की पुलिस अधीक्षक को विधि-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में लापरवाही के कारण तत्काल प्रभाव से उनके पदों से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध करने का निर्णय मैंने लिया है। चाईबासा के आयुक्त एवं एडीजी को क्षेत्र में लगातार कैंप कर स्थिति की प्रतिदिन समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, डीआईजी जमशेदपुर में रहकर कानून-व्यवस्था की निगरानी करेंगे। जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही या जवाबदेही से बचने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से हिमांशु के पिता अरविंद सिंह से मोबाइल पर बात की। अरविंद सिंह ने घटना के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने, हत्या के आरोपियों का एनकाउंटर करने और हिमांशु की पत्नी ऋचा सिंह को सरकारी नौकरी देने की मांग की। सीएम ने कहा कि घटना में शामिल अपराधियों के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी।

पति ने सरेआम अपनी पत्नी व उसके प्रेमी को पीटा

पाकुड़, एजेंसी। जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में एक महिला और युवक के साथ दुर्व्यवहार करने का मामला सामने आया है। एक पति ने अपनी पत्नी को एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग के संदेह में पकड़ा और उसके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं ग्रामीणों के साथ मिलकर अपनी पत्नी को अर्द्धनग्न कर पूरे गांव में घुमाया। घटना 26 जून की बतायी जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस गांव पहुंची और काफी मशक्कत के बाद महिला और युवक दोनों को अपने कब्जे में लिया और अस्पताल में भर्ती कराया।मिली जानकारी के मुताबिक, 26 जून की रात को एक युवक ने अपनी पत्नी को साहिबगंज जिले के एक युवक के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। इसके बाद महिला के पति और अन्य लोगों ने दोनों के साथ मारपीट करने लगा। मौके पर गांव के अन्य लोग भी जुट गए और महिला एवं पुरुष दोनों को घेर लिया। लोगों ने युवक और महिला दोनों को अर्द्धनग्न कर दिया और जूतों की माला पहनाकर उसे पूरे गांव में घुमाया। इस दौरान कुछ लोग महिला और पुरुष दोनों को पीट रहे थे तो कुछ लोग वीडियो बना रहे थे।

बीजेपी नेता अश्विनी कुमार चौबे ने भरत तिवारी एनकाउंटर पर अपनी सरकार को घेरा

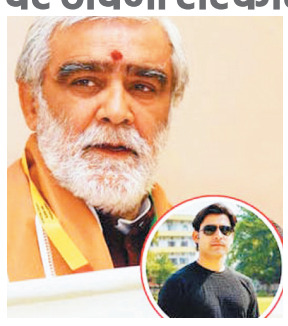

रांची, एजेंसी। झारखंड दौरे पर आए भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्विनी कुमार चौबे ने कांग्रेस और इंदिरा गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें संविधान का हत्यारा बताया। साथ ही उन्होंने 11 अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में आयोजित जेपी जयंती कार्यक्रम में युवाओं को बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

रांची के सर्किट हाउस में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए अश्विनी कुमार चौबे ने झारखंड और बिहार के वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि झारखंड का विकास मौजूदा समय में अवरुद्ध है और सभी को मिलकर विकास कार्यों में प्रगति लानी चाहिए। इस दौरान चौबे ने दिशोम गुरु की कार्यशैली की सराहना की। अश्विनी कुमार चौबे ने आपातकाल के लिए कांग्रेस और इंदिरा गांधी को दोषी ठहराते हुए उन्हें संविधान का हत्यारा बताया। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि शाह कमीशन की रिपोर्ट को श्वेत पत्र के रूप में सार्वजनिक किया जाए, जिसमें आपातकाल लगाने की प्रक्रिया और दोषियों का स्पष्ट उल्लेख है।

जयप्रकाश नारायण की जन्म जयंती के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 11 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चौबे ने कहा कि यह कार्यक्रम लोकतंत्र की प्रहरी के रूप में देश भर के युवाओं को जोड़ेगा। उन्होंने झारखंड के युवाओं से भी बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर चौबे की प्रतिक्रिया : बिहार के चर्चित भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले पर अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि यह केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे देश के लोगों के न्याय की मांग का मामला है। उन्होंने दावा किया कि भरत तिवारी बाढ़ प्रभावित और गरीब परिवारों के अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठाते थे। चौबे ने आरोप लगाया कि भरत तिवारी ने आत्मसमर्पण कर दिया था, इसके बावजूद उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने इसे सुनियोजित साजिश बताया और मांग की कि दोषी पुलिसकर्मियों तथा इस कथित षड्यंत्र में शामिल सभी लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा चलाया जाए।

जुलाई में रांची से 23 नियमित उड़ानें, दिल्ली-बेंगलुरु समेत 10 शहरों की बेहतर हवाई कनेक्टिविटी

रांची, एजेंसी। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची ने 31 जुलाई 2026 तक के लिए नया फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया है। नए शेड्यूल के अनुसार राजधानी रांची से देश के प्रमुख शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद, पटना और भुवनेश्वर के लिए नियमित विमान सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इससे व्यवसाय, शिक्षा, चिकित्सा और पर्यटन के उद्देश्य से यात्रा करने वाले यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक सुविधा मिलेगी।

जुलाई माह के शेड्यूल में इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस की सबसे अधिक उड़ानें संचालित होंगी। दिल्ली-रांची सेक्टर पर दिनभर में कई उड़ानों का संचालन होगा। इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस दोनों एयरलाइंस दिल्ली के लिए नियमित सेवाएं देंगी। वहीं, बेंगलुरु के लिए भी दोनों एयरलाइंस की कई उड़ानें उपलब्ध रहेंगी, जिससे आईटी सेक्टर, विद्यार्थियों और व्यावसायिक यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा।

शेड्यूल के अनुसार सुबह 7:55 बजे पुणे से आने वाली इंडिगो की उड़ान रांची पहुंचकर बेंगलुरु के लिए रवाना होगी। सुबह 8:05 बजे कोलकाता से आने वाली उड़ान भी वापस कोलकाता जाएगी। मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, पटना और भुवनेश्वर के लिए भी निर्धारित समय पर नियमित उड़ानों का संचालन होगा। रात 9:05 बजे कोलकाता से आने वाली इंडिगो की अंतिम उड़ान रांची पहुंचेगी और 9:25 बजे वापस कोलकाता के लिए रवाना होगी।

रांची एयरपोर्ट की हवाई कनेक्टिविटी में लगातार विस्तार होने से झारखंड के यात्रियों को दूसरे राज्यों तक बेहतर और तेज आवागमन की सुविधा मिल रही है। उद्योग, व्यापार और निवेश के साथ-साथ चिकित्सा एवं शैक्षणिक यात्राओं के लिए भी इन उड़ानों का लाभ बड़ी संख्या में लोग उठा रहे हैं। आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या बढ़ने की भी उम्मीद जताई जा रही है।

एयरपोर्ट डायरेक्टर विनोद कुमार ने कहा, जुलाई माह के लिए फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यात्रियों की सुविधा हमारी प्राथमिकता है। सभी उड़ानों का संचालन निर्धारित समय के अनुसार सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पहले संबंधित एयरलाइन से अपने फ्लाइट का समय और स्टेटस अवश्य जांच लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

चाईबासा में पीडीएस राशन पर सवाल, लाभुकों को मिली खराब चना दाल, जांच की उठी मांग

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित किए जा रहे राशन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। चाईबासा और चक्रधरपुर के कुछ राशन दुकानों से लाभुकों को ऐसी चना दाल मिलने की शिकायत सामने आई है, जिसमें फंगस लगे होने के साथ-साथ पैकेट की वैधता अवधि (एक्सपायरी डेट) भी समाप्त बताई जा रही है। इस मामले के सामने आने के बाद लाभुकों में नाराजगी है और उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जानकारी के अनुसार चाईबासा के मिशनहाता क्षेत्र और चक्रधरपुर के तंबाकू पट्टी इलाके के कुछ लाभुकों ने आरोप लगाया कि उन्हें जन वितरण प्रणाली के तहत जो चना-दाल उपलब्ध कराई गई, वह उपयोग योग्य नहीं थी। कई लोगों का कहना है कि पैकेट खोलने पर दाल में फंगस दिखाई दी। जबकि पैकेट पर अंकित वैधता अवधि भी समाप्त हो चुकी थी। ऐसे में कई परिवारों ने दाल का उपयोग करने के बजाय उसे अलग रखने या फेंकने का निर्णय लिया है।

घटना की जानकारी फैलते ही स्थानीय लोगों ने खाद्य आपूर्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि यदि शहरी क्षेत्रों में इस तरह की शिकायतें सामने आ रही हैं तो दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न की गुणवत्ता की स्थिति और भी चिंताजनक हो सकती है। लोगों ने वितरण से पहले खाद्यान्न की नियमित गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने की मांग की है।

इधर राशन दुकानदारों का कहना है कि उन्हें जो सामग्री सरकारी गोदाम से उपलब्ध कराई जाती है, उसी का वितरण करना पड़ता है। उनका दावा है कि खराब गुणवत्ता वाले खाद्यान्न की आपूर्ति यदि हुई है तो इसकी जांच गोदाम स्तर से की जानी चाहिए। मामले को लेकर जब जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुनीला खलखो से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि वह फिलहाल अवकाश पर हैं। उन्होंने कहा कि अवकाश से लौटने के बाद पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। यदि जांच में किसी अधिकारी, कर्मचारी या आपूर्तिकर्ता की लापरवाही सामने आती है तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच जिला प्रशासन भी मामले पर नजर बनाए हुए है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, संबंधित गोदामों में उपलब्ध चना-दाल के स्टॉक की जांच कराई जा सकती है। ताकि जांच में कहीं खराब सामग्री हो तो उसका वितरण तत्काल रोका जा सके। लाभुकों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ भविष्य में गुणवत्तापूर्ण राशन उपलब्ध कराने की मांग की है।

30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ भरेंगे फॉर्म

रांची, एजेंसी। 30 जून से 29 जुलाई तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे (प्री-फिल्ड) इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे और भरे हुए फॉर्म के साथ उनकी हाल की रंगीन फोटो भी लेंगे। झारखंड के करीब 1।63 करोड़ मौजूदा मतदाताओं को किसी तरह का दस्तावेज जमा नहीं करना होगा। उन्हें केवल प्री-फिल्ड फॉर्म का सत्यापन कर हस्ताक्षर के साथ जमा करना होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने बताया कि बीएलओ ने मतदाताओं की स्वयं और पैतृक मैपिंग का पहला चरण पूरा कर लिया है। इसके आधार पर जिन मतदाताओं की मैपिंग सही पाई गई है, उन्हें दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी। केवल नवीनतम रंगीन फोटो और साइन किया हुआ फॉर्म देने के बाद उनका नाम प्रारूप और अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

हर मतदाता को भरना होगा फॉर्मः हर मतदाता को अनिवार्य रूप से इन्यूमरेशन फॉर्म भर कर बीएलओ को जमा करना होगा। बीएलओ द्वारा दस्तावेजों की मांग केवल उन्हीं मामलों में होगी, जहां मैपिंग नहीं हो पाई हो या रिकॉर्ड में विसंगति पाई गई हो। अनमैप्ड मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म के साथ चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित 11 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज जमा करना होगा। इआरओ इन्यूमरेशन फॉर्म के साथ उपलब्ध कराये गए दस्तावेजों के आधार पर मतदाता का सत्यापन कर उसे मतदाता सूची के ड्राफ्ट में शामिल करेंगे।

अस्थायी रूप से बाहर रहने वालों को आने की जरूरत नहींः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों, राज्य से बाहर पढ़ाई कर रहे छात्रों और अस्थायी रूप से बाहर रहने वाले लोगों को केवल मैपिंग के लिए व्यक्तिगत रूप से आने की जरूरत नहीं है। उनके परिवार के सदस्य अथवा इसीआइनेट के माध्यम

झारखंड में एसआईआर को लेकर जेएमएम और कांग्रेस अलर्ट ! पलामू और गढ़वा में कार्यकर्ताओं को दिए गए टिप्स

पलामू/गढ़वा, एजेंसी। एसआईआर को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता अलर्ट मोड पर हैं, ताकि किसी भी मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से नहीं कटे। एसआईआर के कारण देखा गया है कि कई राज्यों में लोगों को लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार से वंचित किया गया है। यह बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद पांडेय ने पलामू में मीडिया से बातचीत के क्रम में कही हैं।

दरअसल, पलामू में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने कार्यकर्ताओं और बीएलए 2 को एसआईआर को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसी कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय प्रदेश महासचिव विनोद पांडेय ने भाग लिया और कार्यकर्ताओं को एसआईआर की प्रक्रियाओं की जानकारी दी।

विनोद पांडेय ने कहा कि एसआईआर को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के एक-एक कार्यकर्ता अलर्ट मोड पर हैं। सम्मेलन के माध्यम से कार्यकर्ताओं को बताया गया है कि उनकी जिम्मेवारी क्या है, किस तरह से वे वोटर लिस्ट पर नजर रखेंगे और बीएलओ को वह किस तरह से मदद कर सकते हैं। कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि एक भी मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से नहीं कटे।

विनोद पांडेय ने कहा कि जो चुनौती सामने आने वाली है उसका सामना बूथ लेवल कार्यकर्ता करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि ट्रेनिंग के बाद परिणाम बेहतर नजर आएगा। इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिन्हा, जिला सचिव शानू सिद्दकी, सन्नी शुक्ला, शार्दुल विनायक अभिषेक सिंह, देवानंद भारद्वाज आदि मौजूद थे।

इधर, गढ़वा में भी झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से एसआईआर को लेकर कार्यकर्ताओं और बीएलए 2 को प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय समेत झामुमो के कई नेता शामिल हुए। प्रशिक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में विनोद पांडेय ने कहा कि हमने पूर्व में देखा है कि कैसे बिहार और पश्चिम बंगाल में मतदाताओं को संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया है। राशन कार्ड से नाम काटे गए और सरकारी योजनाओं से भी लोगों को हटाया गया है। ऐसी परिस्थिति में हम झारखंड मुक्ति मोर्चा के लोग अपने कार्यकर्ताओं को जागरूक करने गढ़वा पहुंचे हैं।

विनोद पांडेय ने कहा कि झारखंड में आज से एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो रही है। मतदाताओं में भ्रम है। ऐसी स्थिति में हमने मतदाताओं की सभी आशंकाओं का समाधान करने का ठाना है। पार्टी के बीएलओ -2 और कार्यकर्ता देखेंगे की योग्य लाभुकों का नाम सूची से ना कटे और अयोग्य लोग ना जुटे।

गढ़वा के टाउन हॉल में झारखंड मुक्ति मोर्चा का बूथ सम्मलेन सह बीएलओ -2 प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रशिक्षण प्रमुख सह केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय, पूर्व मंत्री मिथलेश ठाकुर, जेएमएम विधायक अनंत प्रताप देव मुख्य रूप से उपस्थित हुए। इस दौरान सभी बीएलओ और कार्यकर्ताओं को रांची से आये प्रशिक्षकों के द्वारा बारीकी से एसआईआर में होने वाली परेशानी एवं उसके उपाए बताए गए।वहीं गढ़वा के सर्किट हाउस में कांग्रेस पार्टी की ओर से भी एसआईआर को लेकर बीएलए-2 और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें लोहरदगा के विधायक सह पलामू प्रमंडल प्रभारी डॉ। रामेश्वर उरांव शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रखंडों के बीएलओ -2 को प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर डॉ। रामेश्वर उरांव ने सभी बीएलओ -2 से कहा की हमलोगों को एसआईआर भरने की प्रक्रिया को ठीक से समझना और समझाना है। फॉर्म भरते समय किसी को दिक्कत हो तो उसे बताना है कि कैसे फॉर्म भरा जाए। उन्होंने कहा कि एक भी योग्य मतदाता का नाम नहीं कटना चाहिए।

प्रशिक्षण के बाद मीडिया से बातचीत के क्रम में कांग्रेस नेता रामेश्वर उरांव ने कहा कि मुझे एसआईआर को लेकर पलामू प्रमंडल का प्रभारी बनाया गया है। इस क्रम में आज सभी बीएलओ के साथ सर्किट हाउस में बैठक हुई। सभी बीएलओ को एसआईआर पर नजर बनाकर रखने के लिए कहा गया है। यह बताया गया है कि कोई योग्य मतदाता छूटे नहीं और अयोग्य जुटे नहीं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व विधायक पौलुस सुरिन और नक्सली जेठा कच्छप को हाईकोर्ट से राहत

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने खूंटी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में वर्ष 2013 में हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड मामले में झामुमो के पूर्व विधायक पौलुस सुरिन, नक्सली जेठा कच्छप समेत सभी छह आरोपियों को बरी कर दिया है। हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा और दोषसिद्धि को निरस्त करते हुए आरोपियों को बड़ी राहत दी है। यह मामला वर्ष 2013 का है। खूंटी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में पुलिस के कथित मुखबिर भूषण सिंह और राम गोविंद की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पुलिस ने झामुमो के तत्कालीन विधायक पौलुस सुरिन, नक्सली जेठा कच्छप, कृष्णा महतो तथा तीन महिलाओं समेत कुल छह लोगों को आरोपी बनाया था। सभी आरोपियों के खिलाफ निचली अदालत में मुकदमा चला। मामले की सुनवाई के बाद अपर न्यायिक आयुक्त की अदालत ने नक्सली जेठा कच्छप को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने उस पर 45 हजार रुपये का आर्थिक जुर्माना भी लगाया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए आरोपियों ने झारखंड हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। मामले की सुनवाई जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब फैसला सुनाते हुए खंडपीठ ने निचली अदालत के निर्णय को निरस्त कर दिया और सभी छह आरोपियों को बरी कर दिया।

पाकुड़ में महिला को अर्धनग्न कर गांव में घुमाने के मामले में 5 नामजद

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र की जड़ाकी पंचायत अंतर्गत बूढ़ीडूबा गांव में एक विवाहित महिला को अर्धनग्न कर गांव में घुमाने और उसके कथित प्रेमी के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पीड़िता के बयान पर अमड़ापाड़ा थाना में कांड संख्या 49/2026 दर्ज किया गया है। मामले में महिला के पति सहित 5 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है, जबकि 50-60 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। एसडीपीओ विजय कुमार ने कहा कि घटना बेहद गंभीर और निंदनीय है। किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। घटना में शामिल सभी आरोपियों की पहचान की जा रही है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, महिला की शादी करीब 15 वर्ष पहले हुई थी और उसके तीन बच्चे हैं। पिछले कुछ महीनों से उसका संपर्क साहिबगंज जिले के बोरियो थाना क्षेत्र के सवईया गांव निवासी हंजय टुडू से था, जो पहले से विवाहित है। बताया गया कि महिला अप्रैल में अपने पति का घर छोड़कर मायके अम्बाजोड़ा चली गई थी और 18 मई को हंजय के साथ दिल्ली चली गई थी। 26 जून की रात दोनों के गांव लौटने की जानकारी मिलने पर महिला के पति ने कुछ ग्रामीणों के साथ मिलकर दोनों को पकड़ लिया। आरोप है कि दोनों के साथ मारपीट की गई। महिला के कपड़े फाड़कर उसे अर्धनग्न अवस्था में गांव में घुमाया गया, जबकि युवक को भी सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। बाद में दोनों को ग्राम प्रधान के घर ले जाकर पंचायत के नाम पर बंधक बनाकर रखा गया।

झारखंड की यूनिवर्सिटी और कॉलेज कर्मियों के लिए बनेगा ट्रिब्यूनल, कोर्ट जाने से पहले यहीं होगी सुनवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड में ट्रिब्यूनल बनाने का मकसद यह है कि छोटी-बड़ी सेवा संबंधी शिकायतों के लिए कर्मचारियों को सीधे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का रुख न करना पड़े। पहले कर्मचारी शिकायत निवारण समिति मामले की सुनवाई करेगी और उसके फैसले से असंतुष्ट होने पर कर्मचारी ट्रिब्यूनल में अपील कर सकेंगे। ट्रिब्यूनल को आसान भाषा में विशेष अदालत कहा जा सकता है। आमतौर पर जब कोई विवाद होता है, तो नॉर्मल कोर्ट (जैसे जिला कोर्ट या हाईकोर्ट) जाते हैं। इस नॉर्मल कोर्ट में पहले से ही लाखों केस पेडिंग होते हैं, जिसकी वजह से फैसला आने में सालों लग जाते हैं। इसी समस्या को सुलझाने के लिए सरकार ने ट्रिब्यूनल कोर्ट बनाए हैं। भारत में कुछ ट्रिब्यूनल कोर्ट एक्टिव हैं। इनमें ष्टञ्ज यानी सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल सबसे ज्यादा मशहूर है। यह सरकारी कर्मचारियों की नौकरी, सैलरी या ट्रांसफर से जुड़े विवादों को सुलझाता है। इसी तरह से नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल कपनियों के आपसी विवादों या उनके दिवालिया होने से जुड़े मामलों को देखता है।इस ट्रिब्यूनल की अध्यक्षता हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या ऐसे व्यक्ति करेंगे जो हाईकोर्ट के न्यायाधीश बनने की योग्यता रखते हों। इसके अलावा इसमें कानूनी मामलों का लंबा अनुभव रखने वाले अधिवक्ता, झारखंड वित्तीय सेवा के संयुक्त सचिव स्तर के सेवानिवृत्त अधिकारी और प्रशासनिक मामलों का अनुभव रखने वाले अधिकारी सदस्य बनाए जाएंगे।जरूरत पड़ने पर अध्यक्ष किसी विशेषज्ञ को भी आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल कर सकेंगे।

हाईकोर्ट का फैसलाः संविदा सेवा भी होगी शामिल

सेवानिवृत्त पारा शिक्षकों को मिलेगी पेंशन

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने पारा शिक्षकों के पेंशन अधिकार से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा है कि नियमित नियुक्ति से पहले संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) पर दी गई सेवा को भी पेंशन के लिए योग्य सेवा माना जाएगा। जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने पांच सेवानिवृत्त इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षकों की याचिका स्वीकार करते हुए राज्य सरकार को उनकी पारा शिक्षक अवधि को जोड़कर पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ देने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह पूरी प्रक्रिया आठ सप्ताह के भीतर पूरी करने और सेवानिवृत्ति की तिथि से भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज देने का भी आदेश दिया।

याचिकाकर्ता माणिक चंद्र मंडल, उत्पल कुमार मुखर्जी, अब्दुल हमीद अंसारी, शिव नारायण गुप्ता और मोतीलाल टुडू पहले पारा शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। बाद में चयन प्रक्रिया के माध्यम से वे नियमित इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षक नियुक्त हुए। नियमित सेवा में उन्होंने लगभग नौ वर्ष या उससे अधिक समय तक काम किया और वर्ष 2025 में सेवानिवृत्त हुए। हालांकि, नियमित सेवा 10 वर्ष से कुछ महीने या कुछ दिन कम होने के कारण उन्हें पेंशन का लाभ नहीं दिया गया। उनका तर्क था कि पारा शिक्षक के रूप में 8 से 12 वर्ष तक दी गई निरंतर सेवा को भी पेंशन के लिए जोड़ा जाना चाहिए।

राज्य सरकार ने अदालत में दलील दी कि पारा शिक्षक के रूप में दी गई सेवा पूरी तरह संविदा आधारित थी, इसलिए उसे पेंशन योग्य सेवा नहीं माना जा सकता। सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं ने नियमित सरकारी सेवा में 10 वर्ष पूरे नहीं किए हैं, इसलिए वे पेंशन के पात्र नहीं हैं। सरकार ने अपने पक्ष में सर्वोच्च न्यायालय के कुछ पुराने फैसलों का भी हवाला दिया और कहा कि संविदा सेवा को नियमित सेवा में नहीं जोड़ा जा सकता।

अदालत ने राज्य सरकार की दलीलों को अस्वीकार करते हुए कहा कि सरकार स्वयं नियमित शिक्षक भर्ती में 50 प्रतिशत पद पारा शिक्षकों के लिए आरक्षित करती थी और इसके लिए कम से कम दो वर्ष की निरंतर सेवा अनिवार्य शर्त थी। जब नियुक्ति के समय पारा शिक्षक की सेवा को योग्यता माना गया, तो पेंशन के समय उसी सेवा को नकारना उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि सरकार एक आदर्श नियोक्ता होने के नाते दोहरा रवैया नहीं अपना सकती। पेंशन कोई अनुग्रह या दया नहीं, बल्कि कर्मचारी का वैधानिक अधिकार है।

अदालत ने अपने निर्णय में प्रेम सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (2019), हिमाचल प्रदेश सरकार बनाम शीला देवी (2023) और एसडी जयप्रकाश बनाम भारत सरकार (2025) समेत सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसलों का उल्लेख किया। इन निर्णयों में स्पष्ट किया गया है कि यदि संविदा सेवा के बाद कर्मचारी की नियमित नियुक्ति होती है, तो पूर्व की सेवा को पेंशन के लिए गिना जा सकता है। इसके अलावा, झारखंड हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के पूर्व के निर्णय का भी हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि संविदा या अस्थायी सेवा को पेंशन के लिए जोड़ना न्यायसंगत और कानूनी रूप से उचित है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि सभी याचिकाकर्ताओं की पारा शिक्षक अवधि को उनकी नियमित सेवा में जोड़कर पेंशन, ग्रेच्युटी तथा अन्य सभी सेवानिवृत्ति लाभों की पुनर्गणना की जाए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि भुगतान आदेश प्राप्त होने के आठ सप्ताह के भीतर किया जाए और सेवानिवृत्ति की तिथि से वास्तविक भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज भी दिया जाए। इस आदेश के साथ अदालत ने याचिका का निस्तारण कर दिया।

12 जिलों पर सूखे का साया, अब तक हुई 54 प्रतिशत कम बारिश

रांची, एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने आनेवाले दिनों में 'अलनीनो' के मजबूत होने के संकेत दिए हैं। विभाग ने कहा है कि देश के लगभग 197 जिलों में अलनीनो का प्रभाव पड़ने की आशंका है। इनमें झारखंड के भी 12 जिले शामिल हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, झारखंड में अब तक सामान्य से 54% कम बारिश हुई है। सबसे खराब स्थिति पलामू प्रमंडल वाले जिलों की है। गढ़वा में सामान्य से 93, चतरा में 78 और पलामू में 80% कम बारिश हुई है। वहीं, राज्य में 30 जून तक मात्र 86।5 मिमी ही बारिश हो पाई है। जबकि, इस अवधि के दौरान कम से कम 190 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। राज्य के सभी जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। इधर हालात को भांपते हुए झारखंड सरकार ने भी 'आकस्मिक फसल योजना' तैयार कर ली है। सभी जिलों के कृषि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वह इसकी तैयारी रखें कि कम वर्षा के अभाव में अगर धान की खेती नहीं हो पाती है, तो किसानों को कौन-कौन से अनाजों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

गुमला का युवक कंपाउंडरी छोड़ बना पशुपालक,

सुकर पालन से कमा रहा लाखों

गुमला, एजेंसी। जिले के घाघरा प्रखंड के एक युवक ने कंपाउंडर की नौकरी छोड़ सुअर पालन को आजीविका का जरिया बनाया है। अब वह सालाना 3 से 4 लाख रुपये कमा रहा है और आसपास के युवाओं के लिए मिसाल बन गया है।

जानकारी के अनुसार, घाघरा निवासी युवक सुखनाथ महतो पहले एक निजी क्लिनिक में कंपाउंडर का काम किया करता था। लेकिन सीमित आमदनी और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए उसने स्वरोजगार का रास्ता चुना। उसने आरसेटी खूंटी से सुअर पालन का वैज्ञानिक प्रशिक्षण लिया और फिर अपने गांव में 6 डिसमिल जमीन पर छोटे स्तर पर सुअर पालन शुरू किया।

युवक ने बताया कि एक मादा सुअर साल में दो बार में कुल 16 तक बच्चे देती है। सुअर के बच्चे 80-90 दिन में बिक्री योग्य हो जाते हैं। एक बच्चा 8 से 10 हजार रुपये में और बड़ा सुअर 20-25 हजार रुपये तक बिक जाता है। मौजूदा समय में उसके फार्म में 15 से ज्यादा सुअर हैं।

उसने कहा कि सुअर पालन में लागत कम और मुनाफा ज्यादा है। सुअर रसोई का बचा खाना, चोकर, मक्का आदि खा लेते हैं। बीमारी भी कम लगती है। बाजार में मांस की मांग सालभर रहती है, जिससे बिक्री की चिंता नहीं होती।

स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक की सफलता देखकर अब क्षेत्र के कई बेरोजगार युवा सुअर पालन में रुचि दिखा रहे हैं। पशुपालन विभाग भी इन्हें सहयोग कर रहा है। युवके ने अन्य युवाओं से अपील की है कि नौकरी के पीछे न भागकर स्वरोजगार अपनाएं। सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें।

जेपीएससी सिविल सेवा पीटी रिजल्ट का रास्ता साफ, उम्र सीमा विवाद पर हाईकोर्ट ने खत्म की सुनवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की संयुक्त सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा-2025 पीटी का परिणाम अब जल्द जारी होने की उम्मीद है। झारखंड हाईकोर्ट ने अधिकतम आयु सीमा में छूट से जुड़ी विभिन्न याचिकाओं का निपटारा कर दिया है। इसके साथ ही पीटी परीक्षा परिणाम जारी करने में आ रही कानूनी बाधा भी समाप्त हो गई है।

जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार द्वारा कट-ऑफ तिथि में संशोधन करते हुए अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में चार वर्ष की छूट दी जा चुकी है। ऐसे में याचिकाओं में उठाया गया मूल विवाद समाप्त हो गया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में न्यूनतम और अधिकतम आयु सीमा तय करना राज्य सरकार का नीतिगत अधिकार है और सामान्य परिस्थितियों में न्यायालय इस तरह के निर्णयों में हस्तक्षेप नहीं करता।

सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अदालत को बताया गया कि प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम लगभग तैयार है, लेकिन 12 फरवरी 2026 को पारित अंतरिम आदेश के कारण उसे प्रकाशित नहीं किया जा सका था। अब याचिकाओं के निस्तारण के बाद आयोग के लिए परिणाम जारी करने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

मामला उन अभ्यर्थियों की याचिकाओं से जुड़ा था, जिन्होंने अधिकतम आयु सीमा में अतिरिक्त छूट देने की मांग की थी। उनका कहना था कि परीक्षा नियमित रूप से आयोजित नहीं होने के कारण कई उम्मीदवार आयु सीमा पार कर चुके हैं। साथ ही वर्ष 2016 और 2017 की परीक्षाओं में भी अभ्यर्थियों को आयु सीमा में राहत दी गई थी। हालांकि राज्य सरकार द्वारा कट-ऑफ तिथि में संशोधन और चार वर्ष की छूट दिए जाने के बाद अदालत ने माना कि याचिकाओं का मुख्य उद्देश्य पूरा हो चुका है।

रांची विश्वविद्यालय के लीगल स्टडी सेंटर के विद्यार्थी छात्र नेता तुषार कुमार ने कहा कि हाईकोर्ट का यह फैसला कानून और प्रशासनिक प्रक्रिया दोनों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि आयु सीमा तय करना सरकार का नीतिगत अधिकार है। इससे भविष्य में इस तरह के मामलों को लेकर स्पष्टता मिलेगी और आयोग अब बिना किसी कानूनी अड़चन के परिणाम जारी कर सकेगा।

जमशेदपुर हिमांशुर हत्याकांड पर तीखी हुई सियासी बयानबाजी

रांची, एजेंसी। जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र स्थित बार के बाहर हुई हिंसक वारदात और हिमांशु सिंह हत्याकांड को लेकर सियासत शुरू हो गई है। पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए राज्य में कानून व्यवस्था की लचर स्थिति होने का आरोप लगाया है। रांची में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए अर्जुन मुंडा ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि उस घटना को बर्बरता पूर्वक अंजाम दिया गया है जबकि पुलिस मूकदर्शक बनी रही।

बीजेपी ने उठाए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरह से पुलिस निसहाय और असहाय साबित हो रही है और किस कार्य में उसकी संलिप्तता है कि कानून व्यवस्था के कार्यों में वह ध्यान नहीं दे रही है, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि यह न केवल पुलिस प्रशासन बल्कि राज्य प्रशासन के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर रही है कि ऐसे सवाल का जवाब जनता को कैसे मिलेगा, जो असुरक्षित महसूस कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर कहते हैं कि कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठना लाजिमी है लेकिन भाजपा को यह याद करना चाहिए कि उनके शासनकाल में जमशेदपुर में किस तरह से गुंडों का तांडव हुआ करता था। इस मामले में त्वरित कार्रवाई भी हुई है और तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड भी किया गया है।

इधर अपनी सरकार के बचाव में उतरे झामुमो ने विधि व्यवस्था में गिरावट होने से इनकार किया है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि इस मामले में पुलिस कर्मियों को सस्पेंड भी किया गया है, जांच की जा रही है और कार्रवाई होगी, जो बीजेपी कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रही है, वह दिल्ली की कानून व्यवस्था को पहले देखे, पश्चिम बंगाल की स्थिति को देखे, जहां सेंट्रल फोर्स तैनात रहती है।

घटना के बाद जमशेदपुर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय ने ड्यूटी में घोर लापरवाही बरतने के आरोप में घटनास्थल पर मौजूद गश्ती दल के तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबित पुलिसकर्मियों में सहायक अवर निरीक्षक रतन कुमार दास, सहायक अवर निरीक्षक राजेश कुमार रंजन और आरक्षी संख्या 913 मनोज कुमार शामिल हैं।

गौरतलब है कि जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के बार के बाहर शनिवार रात हुए विवाद के बाद जमकर बवाल हुआ था, जिसमें पुलिस की मौजूदगी में चापड़ से किए गए जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल सरायकेला करणी सेना (युवा) के जिला अध्यक्ष हिमांशु सिंह की सोमवार शाम टाटा मुख्य अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

बोकारो में अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तारःचंद्रपुरा में 37 पेटी शराब, सामग्री और 5 मोबाइल जब्त

बोकारो, एजेंसी।

बोकारो पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के तेलो पूर्वी बहियारटांड़ में एक अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया। इस दौरान 37 पेटी अवैध विदेशी शराब, शराब बनाने की सामग्री, ढक्कन, रैपर-स्टिकर और पांच मोबाइल फोन जब्त किए गए। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बेरमो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था। इस अभियान में बोकारो उत्पाद विभाग की टीम भी शामिल थी। टीम ने मुख्य आरोपी कामेश्वर कुमार के घर पर छापा मारा, जहां से अवैध विदेशी शराब और उसे बनाने में प्रयुक्त सामग्री बरामद हुई। कामेश्वर की निशानदेही पर अन्य आरोपियों के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कामेश्वर कुमार, विनय कुमार, दिनेश प्रजापति और कृष्णा कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से 37 पेटी अवैध विदेशी शराब जब्त की। इसके अतिरिक्त, विभिन्न ब्रांडों के ढक्कन, ब्लेंडर्स प्राइड के 51 रैपर-स्टिकर और पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए गए।

दुमका में आकाशीय बिजली ने छीनी दो बहनों की जिंदगी, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

काठीकुंड, एजेंसी। दुमका जिले के काठीकुंड थाना क्षेत्र के बूढ़ीडंगाल गांव में मंगलवार की शाम आसमानी बिजली ने एक परिवार की खुशियां छीन ली। वज्रपात की चपेट में आने से दो सगी बहनों की मौत हो गई, जबकि उनका भाई बेहोश हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। मंगलवार शाम करीब सात बजे बारिश के बीच तेज गर्जन हो रही थी। इसी दौरान शिवलाल मुर्मू के घर के पास अचानक जोरदार आवाज के साथ बिजली गिरी और कुछ पल में ही एक हंसता-खेलता परिवार गम में डूब गया।

शिवलाल ने बताया कि वह अपनी पत्नी सोनामुनी बास्की और एक बच्चें के साथ घर के दरवाजे के पास अंदर बैठा था। वहीं 11 वर्षीय मीरू मुर्मू, 6 वर्षीय अनिता मुर्मू और 13 वर्षीय देवीलाल मुर्मू अंदर कमरे में जमीन पर सोये हुए थे। अचानक हुए जोरदार वज्रपात से घर के लोग सहम गए। पास मौजूद शिवलाल की बड़ी मां को बिजली गिरने का तेज झटका महसूस हुआ। उनके आवाज लगाने पर परिजन दौड़कर कमरे में पहुंचे, जहां दोनों बहनें अचेत पड़ी थीं, जबकि भाई देवीलाल भी बेहोशी की हालत में था। ग्रामीणों ने आनन-फानन में बच्चों को संभाला, लेकिन तब तक मीरु और अनिता की सांसें थम चुकी थी। घायल देवीलाल का स्थानीय स्तर पर इलाज कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

घटना के बाद बूढ़ीडंगाल गांव में हर आंख नम है। मां सोनामुनी बास्की अपनी दोनों बेटियों को याद कर बार-बार बेसुध हो जा रही है। पिता शिवलाल मुर्मू भी इस सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बेटियों के चले जाने से घर की रौनक चली गई। दो बहनों के 3 भाई हतप्रभ है और कुछ सदमे में है, वही एक भाई अभी काफी छोटा है, जिसे ये समझ तक नहीं कि बहने अब उसे हमेशा के लिए छोड़ कर जा चुकी है।

शिवलाल अपनी पत्नी, 2 बेटियों व 4 बेटों के साथ खपरैल और मिट्टी के बने एकमात्र कमरे के मकान में रहने को मजबूर था। पक्की सरकारी आवास योजना के तहत उसने आवेदन किया है या नहीं यह वह स्पष्ट बता नहीं पाया। अब सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री आवास और अबुआ आवास के दौर में एक मिट्टी निर्मित छोटे से कमरे में 8 सदस्यों का रहना, क्या उन्हें इन लाभों से वंचित करना नहीं है। शिवलाल ने बताया कि घर की परेशानी के कारण ही वह पास के गांव स्थित अपने ससुराल अंबाजोड़ा में रह रहा था। कहा कि कितने दिनों तक अपने ससुराल में रह पाता, तो लगभग 5 वर्ष पूर्व वह वापस अपने घर आकर रहने लगा था।

घटना के बाद गांव में एक दूसरे के साथ बचपन बीता रही दोनों बहनों की सहेलियां उनके घर पहुंची। मृतक बहनों के ढके चेहरों को हटा कर देखा और एक सवाल जो उनके चेहरे पर दिखा कि ऐसा कैसे हुआ। उन सहेलियों की बंद जबान और उदास चेहरों ने काफी कुछ बता दिया कि अब शायद इन गांव की गलियों में उनकी वो सखियां नहीं होगी, उनकी वो आवाज नहीं होगी और न ही होगी वो पल जहां वो कभी साथ रह पाएगी। यह दृश्य ग्रामीणों को मर्माहत कर गया और इस प्राकृतिक आपदा के सामने लोग मजबूर दिखे।

घटना की जानकारी मिलने के बाद दुमका सांसद प्रतिनिधि जोन सोरेन बूढ़ीडंगाल पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर घटना की विस्तृत जानकारी लेते हुए संवेदना जताई और तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। उन्होंने परिवार को सरकारी स्तर पर हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। मौके पर उन्होंने काठीकुंड बीडीओ सौरव कुमार से फोन पर बात कर पीड़ित परिवार को हर संभव सरकारी योजनाओं का लाभ और सहायता दिलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विधायक और सांसद के स्तर से जो भी सहायता प्रक्रिया के तहत की जा सकती है, हरसंभव दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर बिछियापहाड़ी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि छोटू मुर्मू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल जब्बार, मिंटू भगत सहित स्थानीय लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस से भागने के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से नाबालिग की मौत

गया, एजेंसी। बिहार के गया में पुलिस अभिरक्षा से भागने के दौरान एक नाबालिग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गयी। वह बैंक आए ग्राहक से रुपये लेकर फरार हो रहा था। इसी दौरान ग्राहक ने उसे दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। हिरासत में लेने के बाद वह पुलिस को चकमा देकर भाग गया। भागने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गया। घटना सोमवार की बतायी जा रही है। दखनेर गांव के रहने वाले निवास सिंह परैया स्थित मध्य बिहार ग्रामीण बैंक में पैसे जमा करने गए थे। इसी बीच एक नाबालिग ने उनके झोले को काटकर 100-100 के नोट के चार बंडल उड़ा लिए। इसके बाद वह भाग रहा था, तभी निवास सिंह को इसकी भनक लगी और उन्होंने तुरंत मौके से ही नाबालिग को दबोच लिया। इसके बाद परैया थाना की पुलिस को इसकी सूचना दी गई। परैया थाना की पुलिस नाबालिग को निरुद्ध करते हुए अग्रतर कार्रवाई में जुटी थी। पुलिस द्वारा उसके गिरोह का पता लगाने का काम भी किया जा रहा था। इस बीच, परैया थाना में निरुद्ध किया गया वह नाबालिग मंगलवार की सुबह को मौका देखकर पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला। फरार होने के बाद परैया थाना की पुलिस तुरंत हरकत में आई और उसकी तलाश करने लगी। पुलिस अभी उसकी खोजबीन कर ही रही थी कि भागने के कुछ देर बाद ही प्रभुआ गांव के सामने गया-डीडीयू रेलखंड पर एक शव होने की सूचना परैया थाना की पुलिस को मिली। ट्रेन से कटने के कारण शव क्षत-विक्षत हालत में था। परैया थाना की पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पहचान कराई, तो वह शव उसी फरार नाबालिग का निकला। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। इस घटना के बाद पुलिस महकमे में भारी हड़कंप देखा जा रहा है। हालांकि, मौत कैसे हुई यह स्पष्ट नहीं है। प्रथम दृश्यता ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई है। हालांकि पुलिस हत्या, आत्महत्या है, या फिर कोई अन्य हादसा, इन सभी विभिन्न बिंदुओं और पहलुओं पर गहराई से छानबीन कर रही है। परैया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस गंभीर मामले की जांच करने के लिए टिकारी एसडीपीओ सुशांत कुमार चंचल खुद परैया थाना पहुंचे। उनके नेतृत्व में थाने के आसपास और विभिन्न रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। टिकारी एसडीपीओ सुशांत कुमार चंचल ने बताया कि पूरे मामले की गहन जानकारी लेते हुए निष्पक्ष छानबीन की जा रही है और पुलिस की आगे की कार्रवाई तेजी से जारी है।

बिहार में फर्जी डिग्रियों पर बड़ा एक्शन, 13 शिक्षकों की नौकरी गई, वेतन वसूली की भी तैयारी

रोहतास, एजेंसी। बिहार के रोहतास जिले में शिक्षा विभाग ने फर्जी एवं अमान्य डिग्रियों के आधार पर नौकरी कर रहे शिक्षकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला शिक्षा पदाधिकारी की जांच में एक बार फिर काराकाट प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत 13 शिक्षकों की डिग्रियों को अमान्य घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही सभी संबंधित शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से सेवा से हटाने का निर्देश जारी किया गया है। इस कार्रवाई के बाद जिले के शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। इससे पहले भी 142 शिक्षकों को अमान्य डिग्री के आधार पर नौकरी करने के आरोप में सेवा से हटाया जा चुका है। अब नए 13 मामलों के सामने आने के बाद पिछले एक महीने में कुल 155 शिक्षकों पर कार्रवाई हो चुकी है। शिक्षा विभाग इस जिले में अब तक की सबसे बड़ी सत्यापन कार्रवाई मान रहा है। जानकारी के अनुसार, जांच में जिन शिक्षकों की डिग्रियां अमान्य पाई गई हैं उनमें अधिकांश डिग्रियां दूसरे राज्यों के विश्वविद्यालय एवं संस्थाओं से प्राप्त की गई थी। विभाग द्वारा नियोजन इकाई विश्वविद्यालय और संबंधित अभिलेखों का मिलान करने के बाद यह स्पष्ट हुआ कि कई डिग्रियां मान्य नहीं है या नियमानुसार स्वीकार्य नहीं थी। इस पूरे मामले की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी जब बिक्रमगंज निवासी एक व्यक्ति ने संबंध में परिवार दायर किया था। शिकायत मिलने के बाद शिक्षा विभाग ने मामले की विस्तृत जान शुरू की। कई स्तरों पर दस्तावेजों की जांच प्रमाण पत्रों का सत्यापन तथा संबंधित संस्थाओं से जानकारी प्राप्त करने के बाद अब लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारी मदन राय ने बताया कि सरकार के दिशा निर्देश एवं नियोजन इकाई के प्रावधानों के अनुसार पूरी प्रक्रिया अपनाई गई है। सभी मामलों की गहन जांच के बाद ही संबंधित शिक्षकों की डिग्रियों को अमान्य घोषित किया गया है ।बहरहाल शिक्षा विभाग की सख्त कार्रवाई के बाद पूरे जिले के शिक्षकों में हलचल तेज हो गई है। जिन शिक्षकों के प्रमाण पत्रों की जांच अभी लंबित है उनमें भी चिंता का माहौल है। विभाग का कहना है कि सत्यापन अभियान आगे भी जारी रहेगा और यदि किसी अन्य शिक्षक की डिग्री या शैक्षिक प्रमाण पत्र अमान्य पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

2 जुलाई से मलाही पकड़ी तक मेट्रो दौड़ेगी

15 मिनट में 6.2 किमी की दूरी तय होगी

पटना , एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में मेट्रो सेवा का दायरा एक बार फिर बढ़ने जा रहा है। आगामी 2 जुलाई से यात्रियों को बैरिया बस स्टैंड यानी आईएसबीटी स्टेशन से मलाही पकड़ी तक मेट्रो ट्रेन से सफर करने की सुविधा मिल जाएगी। नए विस्तार के बाद 6.2 किलोमीटर की दूरी महज 15 मिनट में पूरी की जा सकेगी। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस रूट का अधिकतम किराया 30 रुपये निर्धारित किया है, जबकि बीच के किसी स्टेशन तक यात्रा करने वाले यात्रियों को 15 रुपये का टिकट लेना होगा।

अभी तक मेट्रो सेवा बैरिया बस स्टैंड से भूतनाथ स्टेशन तक 3.45 किलोमीटर के हिस्से में संचालित हो रही है। अब भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक 2.75 किलोमीटर के नए सेक्शन को भी परिचालन के लिए तैयार कर लिया गया है। इसके शुरू होने के बाद यात्रियों को आईएसबीटी, जीरो माइल, भूतनाथ और मलाही पकड़ी स्टेशनों पर चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी। पूरे 6.2 किलोमीटर के सफर में करीब 15 मिनट का समय लगेगा, जबकि 40 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से यात्रा करने पर मेट्रो को एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने में लगभग 30 मिनट लगेंगे।

यात्रियों की संख्या में होगी बढ़ोतरी : पटना मेट्रो के अधिकारियों का मानना है कि मलाही पकड़ी तक सेवा विस्तार होने के बाद यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। मलाही पकड़ी शहर के घनी आबादी वाले इलाकों और कंकड़बाग क्षेत्र के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 700 से 900 यात्री मेट्रो सेवा का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन नए स्टेशन के जुड़ने के बाद यह संख्या तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

खेमनीचक स्टेशन के लिए करना होगा इंतजार : हालांकि, यात्रियों को अभी खेमनीचक स्टेशन पर मेट्रो रुकने की सुविधा नहीं मिलेगी। भूतनाथ के बाद अगला ठहराव सीधे मलाही पकड़ी स्टेशन पर होगा। खेमनीचक में इंटर-चेंज स्टेशन का निर्माण कार्य अभी जारी है और इसके पूरा होने में समय लगेगा। ऐसे में फिलहाल इस स्टेशन पर यात्रियों के चढ़ने और उतरने की व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।

लगभग 32 किलोमीटर लाइन : पटना मेट्रो परियोजना के तहत शहर में कुल 31.9 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन का निर्माण किया जा रहा है, जिस पर लगभग 13365 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। यह परियोजना राज्य और केंद्र सरकार की साझेदारी के साथ-साथ जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जाइका) के सहयोग से पूरी की जा रही है। दानापुर से पटना सिटी तक मेट्रो नेटवर्क के पूरी तरह शुरू होने के बाद राजधानी के लाखों लोगों को जाम और लंबी यात्रा से राहत मिलने की उम्मीद है।

अगला चरण खेमनीचक से मीठापुर : मेट्रो परियोजना का अगला महत्वपूर्ण चरण खेमनीचक से मीठापुर तक होगा। इस हिस्से के लिए एलिवेटेड ट्रैक का निर्माण पहले ही किया जा चुका है और बिजलीकरण का काम शुरू होने वाला है। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक, इस रूट के संचालन के लिए एक नया ट्रेन सेट लीज पर लिया जाएगा। इसके शुरू होने के बाद यात्रियों को खेमनीचक से जयप्रकाश नगर, रामकृष्ण नगर और मीठापुर स्टेशन तक सीधे मेट्रो सेवा का लाभ मिलेगा। ये सभी स्टेशन कॉरिडोर-1 का हिस्सा हैं।

मलाही पकड़ी से पटना जंक्शन : वहीं, कॉरिडोर-2 के तहत मलाही पकड़ी से पटना जंक्शन तक मेट्रो सेवा शुरू करने का लक्ष्य वर्ष 2027 के अंत तक रखा गया है। इसके लिए मॉल्यूलर हब स्टेडियम से राजेंद्र नगर टर्मिनल तक का एलिवेटेड ढांचा तैयार हो चुका है। मलाही पकड़ी को इस कॉरिडोर से जोड़ने के लिए विशेष रैंप का निर्माण किया जा रहा है। दूसरी ओर, मॉल्यूलर हब से पटना विश्वविद्यालय, पीएमसीएच और गांधी मैदान होते हुए अकाशवाणी स्टेशन तक भूमिगत सुरंग का निर्माण अंतिम चरण में है। पीएमसीएच के समीप सुरंग में पटरियां बिछाने का कार्य भी जल्द शुरू होने वाला है।

निर्माण एजेंसियों के अनुसार, दानापुर से पाटलिपुत्र स्टेशन के बीच एलिवेटेड मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। इसके आगे पाटलिपुत्र से राजेंद्र नगर, पटना जंक्शन और मीठापुर तक भूमिगत नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। यह पूरा कॉरिडोर राजधानी के विभिन्न हिस्सों को आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मेट्रो के नए विस्तार से न केवल यात्रियों के समय की बचत होगी, बल्कि शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में सड़क यातायात का दबाव भी कम होने की उम्मीद है।

पटना हाईकोर्ट ने भोजपुर पुलिस को लगाई फटकार, एसपी से कहा- 'सीबीआई को जांच सौंप देंगे'

पटना , एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने पिछले 10 महीने से लापता एक दलित युवक को नहीं ढूंढ पाने पर भोजपुर पुलिस को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अबतक पुलिस ने जो जांच की है, उससे हम संतुष्ट नहीं है। कोर्ट ने सारे दस्तावेजों के साथ एसपी और अन्य पुलिस अधिकारियों को 2 जुलाई, 2026 को हाजिर होने का निर्देश दिया। जबकि डीएम को व्यक्तिगत उपस्थिति से मुक्त कर दिया।

डीएम-एसपी-एसएचओ कोर्ट में रहे उपस्थित : महाधिवक्ता एसडी संजय ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि वे अपने स्तर से इस मामले को देखेंगे और जांच की प्रगति के बारे में बताएंगे। आज सुनवाई के समय भोजपुर के डीएम, एसपी, जगदीशपुर के एसएचओ सहित अन्य अधिकारी कोर्ट में उपस्थित थे। 'उत्पाद पुलिस सही बात नहीं बता रही' : जस्टिस राजीव रंजन प्रसाद तथा जस्टिस कुमार मनीष की खंडपीठ ने लापता युवक सनोज कुमार के पिता गौरीशंकर राम की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि इतने दिनों में पुलिस युवक के बारे में पता नहीं लगा सकी। जबकि अबतक जो तथ्य सामने आए हैं, उससे लगता है कि उत्पाद पुलिस सही बात नहीं बता रही है। उसके बयानों में भी विरोधाभास है।

सीबीआई को जांच सौंप देंगे- हाईकोर्ट : कोर्ट ने एसपी से पूछा उन्होंने अपने स्तर से इस मामले में क्या कार्रवाई की? लेकिन वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। कोर्ट ने एसपी से कहा कि अगर वे संतुष्ट नहीं करेंगे, तो हम इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप देंगे। हालांकि महाधिवक्ता ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि ऐसी नौबत नहीं आएगी।

'उत्पाद पुलिस की भूमिका पर संदेह' : कोर्ट ने कहा कि तथ्यों को देखने से पता चलता है कि उत्पाद पुलिस ने युवक को पकड़ा था और उसकी गिरफ्त से वह भाग गया। लेकिन वह कहां गायब हो गया इसकी जानकारी किसी को नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हमें उत्पाद पुलिस की भूमिका पर भी संदेह है। इस मामले की सुनवाई 2 जुलाई 2026 को की जायेगी।

ताश के पत्तों की तरह टूटे थे तटबंध, फिर भी नहीं चेता विभाग! मानसून से पहले सीतामढ़ी-शिवहर में बाढ़ का खतरा गहराया

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी और शिवहर जिले में संभावित मानसून और बाढ़ को लेकर एक बार फिर लोगों की चिंता बढ़ने लगी है। पिछले वर्ष 2024 में बागमती नदी के तटबंध चार स्थानों पर टूट गए थे, जिससे दोनों जिलों के हजारों लोग बाढ़ की भयावह त्रासदी झेलने को मजबूर हुए थे। अब मानसून की दस्तक से पहले जल संसाधन विभाग की तैयारियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

तटबंध आज भी कमजोर: ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग की लापरवाही और उदासीनता के कारण तटबंध आज भी कमजोर स्थिति में हैं और समय रहते मरम्मत कार्य नहीं कराया गया है। सबसे अधिक चिंता रुन्नीसैदपुर, बेलसंड और शिवहर जिले के तरियानी इलाके को लेकर जताई जा रही है।

विभाग पर ग्रामीणों का आरोप: स्थानीय लोगों का कहना है कि कई जगहों पर रेन कट और कटाव के कारण तटबंध कमजोर हो चुके हैं। बावजूद इसके विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस सुरक्षा कार्य नहीं कराया गया है। लोगों का आरोप है कि तटबंधों को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है।

ताश के पत्तों की तरह धराशाई हो गए थे तटबंध: वर्ष 2024 में बागमती नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया था। रुन्नीसैदपुर, बेलसंड और तरियानी क्षेत्र में तटबंध ताश के पत्तों की तरह धराशाई हो गए थे। तटबंध टूटने के बाद बाढ़ का पानी रिहायशी इलाकों में तेजी से घुस गया था।

कई गांव पूरी तरह जलमग्न हो गए थे और हजारों परिवारों को पलायन करना पड़ा था। बाढ़ के कारण लोगों की फसलें बर्बाद हो गई थीं, पशुधन का नुकसान हुआ था और आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया था।

आम लोगों में डर का माहौल: अब जबकि मानसून सिर पर है, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में भय का माहौल साफ देखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल बाढ़ आने के बाद विभाग सक्रिय होता है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं की जाती। इधर, स्थानीय लोगों में आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों ने दी चेतावनी: ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द तटबंधों की मजबूती और सुरक्षा को लेकर ठोस कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

15 फीट नीचे नहर में गिरी स्कूल वैन, 13 बच्चे घायल

3 की हालत नाजुक; दूसरी गाड़ी ने पीछे से टक्कर मारी, अनियंत्रित वैन सड़क से नीचे लुढ़की

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में बुधवार की सुबह स्कूल वैन सड़क से 15 फीट नीचे नहर में गिर गई। हादसे में 13 बच्चे घायल हो गए, जिनमें 3 की स्थिति गंभीर है। स्थानीय लोगों ने वैन में फंसे बच्चों को बाहर निकाला और इलाज के लिए कुटुंबा रेफरल अस्पताल पहुंचाया।

हादसे में घायल तीन बच्चों आरबी प्रताप (5), हर्ष कुमार और मौली कुमारी की हालत गंभीर है, उन्हें औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर किया गया है। ये लोग स्कूल पहुंचते उससे पहले हादसा हो गया। घटना अंबा-नवीनगर मुख्य मार्ग पर तामसी मोड़ के पास की है।

हादसे के बाद वैन की आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। गाड़ी के कांच टूट गई है। बताया जा रहा है कि वैन में क्षमता से ज्यादा बच्चे थे। हादसे के बाद पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह और स्कूल के टीचर्स भी सदर अस्पताल पहुंचे हैं।

ड्राइवर का बैलेंस बिगड़ा : अंबा स्थित संत जेवियर हाई स्कूल की मैजिक वैन कुटुंबा, लखना, महुआ धाम और मीरपुर गांव से बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। तामसी मोड़ के पास अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और वैन सीधे नहर में पलट गई। सड़क किनारे रेलिंग है, उसके बगल से वैन सड़क से लुढ़कते हुए नीचे नहर में पहुंच गई। हादसे के वक्त गाड़ी की स्पीड 50 की थी।

हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, अभिभावक और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए।

तीन बच्चे औरंगाबाद रेफर : थानाध्यक्ष इमरान आलम ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम पहुंची। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया गया है। फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन के राहुल कुमार ने बताया कि सभी बच्चों की हालत खतरे से बाहर है। इलाज कराकर घर भेज दिया गया है। गाड़ी के ड्राइवर ने फोन कर के बताया था कि दूसरे वाहन के कारण वैन का बैलेंस बिगड़ा, और हादसा हुआ।

हादसे में ये बच्चे हुए घायल : घायलों में मीरपुर गांव निवासी अमित पासवान की बेटी साक्षी कुमारी (11), कुटुंब बाजार निवासी गोपाल शरण की बेटी साक्षी कुमारी (12), गौतम कुमार का बेटा आदित्य राज (12), सिकरिया निवासी आरबी प्रताप (5), कुटुंबा निवासी ओमप्रकाश मालाकार की बेटी अमी कुमारी (12), प्रदीप कुमार का बेटा लकी राज सैनिक (12), मीरपुर निवासी कुमार सुगंध आर्यन (8), उसकी बहन सृष्टि कुमारी (5), हर्ष कुमार (12), महुआ धाम निवासी आयुष कुमार (10), अक्षय कुमार (7), मिर्जापुर निवासी वैभव गौरव (6), मौली कुमारी (7), आबिद राजा (13) औरअमित कुमार (7) शामिल हैं।

बिहार में लापता मासूम की नहर में मिली लाश

रोहतास , एजेंसी। बिहार के रोहतास में आज उस समय सनसनी फैल गई, जब कल से लापता 9 वर्षीय मासूम बच्चे का शव नहर से बरामद किया गया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले की हर पहलू से जांच शुरू कर दी है। घटना डेहरी इलाके की है।

मृतक की पहचान इंद्रपुरी थाना क्षेत्र केपटनवा खुर्द गांव निवासी शशि कुमार सिंह के 9 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के रूप में हुई है। आदित्य भाई बहनों में सबसे छोटा होने के कारण पूरे परिवार का दुलारा था। उसके पिता वन विभाग में कार्यरत हैं। इस दुखद घटना ने पूरे इलाके को गहरे सदमे में डाल दिया है।

कल से था लापता : परिजनों के अनुसार, कल आदित्य घर से बाहर निकला था लेकिन शाम तक जब वह घर वापस नहीं लौटा तो परिवार के लोगों ने आसपास के क्षेत्र में उसके तलाश शुरू की। रिश्तेदार, दोस्तों और गांव के लोगों से पूछताछ की गई लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। ऐसे में परिजनों की चिंता बढ़ गई। पास के ही इंद्रपुरी थाने में बच्चे की लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस भी बच्चे की तलाश में जुट गई थी लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि अगली सुबह इतनी दर्दनाक खबर मिलेगी।

आज सुबह परिजनों को सूचना मिली कि डेहरी नगर थाना क्षेत्र स्थित नहर में एक बच्चे का शव देखा गया है। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। जब उन्होंने शव की पहचान की तो वह आदित्य निकला। अपने मासूम बेटे का शव देखते ही परिवार के लोगों पर जैसे पहाड़ टूट पड़ा। गांव में मातम का माहौल है और हर कोई इस हादसे से स्तब्ध है।

भरत तिवारी की तेरहवीं, 25 हजार लोगों के खाने की व्यवस्था, मां बोलीं- न्याय का इंतजार

भोजपुर , एजेंसी। बिहार के भोजपुर में 17 जून को पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी की आज (मंगलवार) तेरहवीं आयोजित की गई है। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पूरे गांव में विशेष इंतजाम किए गए हैं। आयोजकों के अनुसार श्राद्ध भोज में करीब 20-25 हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त 15 हजार लोगों के लिए भी राशन का पर्याप्त भंडारण रखा गया है।

काफी दूर-दराज से पहुंच रहे लोग : दोपहर से ही श्राद्ध भोज का आयोजन शुरू हो गया, दूर-दराज से लोगों का गांव पहुंचना जारी है। बाहर से आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गांव के समीप खेतों में दो बड़े टेंट लगाए गए हैं। बैठने के लिए बड़ी संख्या में कुर्सियों की व्यवस्था की गई है, जबकि विश्राम के लिए खेतों में पलंग भी लगाए गए हैं।

लोगों के लिए की गई है व्यवस्था : मृतक भरत तिवारी के घर के सामने विशाल शामियाना तैयार किया गया है। गर्मी और उमस से राहत दिलाने के लिए कूलर एवं पंखों की भी व्यवस्था की गई है। भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी तथा भाई चंदन तिवारी ने बताया कि बिहार के अलावा अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोगों के आने की सूचना है। ऐसे में उनके ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आगंतुक को असुविधा का सामना न करना पड़े।

पुलिस-प्रशासन सतर्क : आयोजकों ने अखंड पूजा और करीब 15,000 लोगों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की है। गांव में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर भी पुलिस-प्रशासन सतर्क हैं। वहीं परिवार और समर्थकों ने एक बार फिर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं और मामले में शामिल पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी की मांग दोहराई है।

निष्पक्ष जांच नहीं हो रही' : मृतक के भाई चंदन तिवारी ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हो रही है। एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है लेकिन स्थानीय स्तर पर कार्रवाई की कमी चिंता का विषय है। गांव में भरत तिवारी की स्मृति में मूर्ति स्थापना की मांग की गई थी, जिसे रोके जाने के कारणों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। भरत तिवारी की मां आशा देवी ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

नेपाल से भी लोगों के आने की जानकारी' : वहीं, मृतक भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी कहा कि श्राद्ध कार्यक्रम में केवल स्थानीय ही नहीं बल्कि कई राज्यों और यहां तक कि पड़ोसी देश नेपाल से भी लोगों के आने की जानकारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले लोगों की संख्या का अनुमान लगाना मुश्किल है। इस बीच महापंचायत में पंकज त्रिपाठी ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सीओ, वीडीओ और एसडीओ स्तर के अधिकारियों पर मिलीभगत के आरोप हैं और वे मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रशासन को पहले ही 24 से 30 जून तक का समय दिया गया था, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई।

बीजेपी विधायक आनंद मिश्रा ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद कहा कि यह मामला 'एनकाउंटर नहीं बल्कि गलत कार्रवाई' का परिणाम हो सकता है और इसकी न्यायिक जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने के लिए व्यवस्था में सुधार जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

धनुष बाण लिए अखिलेश यादव का पोस्टर बना चर्चा का विषय

वाराणसी , एजेंसी। सपा कार्यकर्ता मनोज यादव गोलू और शुभम यादव की ओर से मंगलवार की देर रात लहुराबीर चौराहे से जिला मुख्यालय तक सपा प्रमुख अखिलेश यादव पोस्टर लगाए गए हैं। इसमें अखिलेश यादव धनुष बाण लिए हुए हैं। उस पर लिखा है कि राम मंदिर में जो चोरी करेगा, अखिलेश यादव का धनुष उसे धराशायी करेगा। पीडीए के महानायक अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। साथ आएं पीडीए को जिताएं, समाजवाद को आगे बढ़ाएं। जन्मदिन की शुभकामनाओं के साथ ये पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

खिलाड़ियों को चोटों से बचाव की दी जानकारी

आगरा , एजेंसी। स्पोर्ट्स स्टेडियम के हॉकी मैदान पर खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. आंचल सारस्वत ने खिलाड़ियों को खेल के दौरान होने वाली चोटों से बचाव, प्राथमिक उपचार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी खेल से पहले वार्म-अप और खेल समाप्त होने के बाद कूल-डाउन व स्ट्रेचिंग करना बेहद जरूरी है। उन्होंने मांसपेशियों की चोट, लिगामेंट इंजरी, टखने में मोच समेत सामान्य खेल चोटों से बचाव के उपाय बताए। समझाया कि चोट लगने पर शुरुआती उपचार कैसे किया जाए और किन परिस्थितियों में विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना जरूरी होता है। मास्टर्स हॉकी संघ के अध्यक्ष राजीव सोई ने उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान अजय राजपूत, धर्मेंद्र बघेल, अमरजीत सिंह, गोपाल भगत, दिलीप शर्मा, गौरव रौतेला, जयशंकर यादव, विक्रम सिंह और गुरप्रीत आदि मौजूद रहे।

अंबुज हत्याकांड में सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

गोरखपुर , एजेंसी। तिवारीपुर थाना क्षेत्र में अंबुज मणि त्रिपाठी हत्याकांड के बाद सोशल मीडिया पर बदले और उकसावे की भावना से पोस्ट डालने वालों को लेकर पुलिस सतर्क हो गई है। पुलिस मुख्यालय ने इसे गंभीर बताते हुए गोरखपुर पुलिस को निर्देश दिए हैं कि ऐसे अकाउंट्स की पहचान कर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए। जानकारी के अनुसार, 26 नवंबर 2025 को सूर्य विहार कॉलोनी निवासी अंबुज मणि त्रिपाठी का अपहरण कर उसकी निर्मम हत्या कर दी गई थी। शव बाद में महाराजगंज जिले में बरामद हुआ। मामले के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोग बदले की भावना से भड़काऊ पोस्ट डालकर माहौल को गरमाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस की साइबर सेल ने इंस्टाग्राम पर ऐसे अकाउंट्स को चिह्नित किया है, जिनमें 'राजू रावण किंग', 'सोनिया रघुवंशी 367' और 'मिस्टर अंकित जाटव 302' शामिल हैं। इन अकाउंट्स से लगातार भावनात्मक और उकसावे वाले संदेश पोस्ट किए जा रहे थे। पुलिस मुख्यालय के निर्देश के बाद अब इन अकाउंट्स की तकनीकी जांच तेज कर दी गई है। पोस्ट के कंटेंट, लोकेशन, नेटवर्क और अकाउंट संचालन के हर पहलू की पड़ताल की जा रही है।

ताक पर सुरक्षा, बंद रास्तों को फांदकर स्काई वॉक पर चढ़ रहे लोग

बरेली , एजेंसी। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत पटेल चौक पर 12 करोड़ रुपये की लागत से बना स्काई वॉक अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। वर्ष 2024 में बनकर तैयार हुआ यह स्काई वॉक अब तक संचालित नहीं हो सका। नतीजा, जहां इसकी सार्थकता सिद्ध नहीं हो पा रही है, वहीं सुरक्षा मानकों की अनदेखी की वजह से हर वक्त यहां खतरा मंडराता रहता है। करोड़ों का प्रोजेक्ट अब अतिक्रमणकारियों और अराजक तत्वों के हवाले है। रखरखाव के अभाव में स्काई वॉक की स्वचालित सीढ़ियां धूल फांक रही हैं और जाम हो रही हैं। सबसे बड़ी लापरवाही इसकी बनावट और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर है, क्योंकि स्काई वॉक के ऊपर अब तक कोई सुरक्षा दीवार नहीं बनाई गई है। पूरे ढांचे में चार ऐसी जगहें हैं, जहां से कोई भी आसानी से ऊपर चढ़ सकता है। सोमवार की रात इसी सुरक्षा चूक के कारण एक व्यक्ति स्काई वॉक पर चढ़ गया और वहां से अनियंत्रित होकर नीचे गिर पड़ा। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।हादसे के बाद जागे नगर निगम ने आनन-फानन में टीम भेजकर स्काई वॉक पर चढ़ने वाले रास्तों को टिन शेड और कंटीले तार लगाकर बंद तो कर दिया, लेकिन यह कवायद महज एक खानापूर्ति साबित हो रही है। पड़ताल के दौरान लोग टीन शेड को फांदकर न सिर्फ ऊपर आते-जाते दिखे, बल्कि कुछ युवक तो स्काई वॉक के ऊपर बेफिक्र होकर सोते भी पाए गए। उर्स या शहर के अन्य बड़े आयोजनों के दौरान बेकाबू भीड़ इसके ऊपर चढ़ जाती है, जिससे हर वक्त किसी बड़ी अनहोनी का खतरा मंडराता रहता है। इसके बावजूद निगम के अधिकारी गहरी नींद में हैं।

प्रधानमंत्री को लिखी चिट्ठी, महंत धर्मदास ने लगाई गुहार

राम मंदिर ट्रस्ट के पुनर्गठन की मांग

लखनऊ, एजेंसी। गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के विधान परिषद सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन की मांग की है। उन्होंने ट्रस्ट में भगवान श्रीराम के वंशजों, राम मंदिर आंदोलन के कारसेवकों के परिजनों और आंदोलन से जुड़े लोगों को प्रतिनिधित्व देने की मांग करते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं का विश्वास और पारदर्शिता दोनों मजबूत होंगे।

साधु-संतों को सौंपा जाए मंदिर का प्रबंधन : धर्मदास

हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत धर्मदास ने कहा कि श्रीराम मंदिर का प्रबंधन मौजूदा ट्रस्ट के बजाय साधु-संतों को सौंपा जाना चाहिए। ट्रस्ट पैसे का हिसाब-किताब रख सकता है, लेकिन धार्मिक और प्रशासनिक कामकाज संतों के हाथों में ही रहने चाहिए।

मामले का राजनीतिकरण न किया जाए : मायावती

बसपा सुप्रीमो और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा, मीडिया में इस बारे में आ रही खबरें अति गंभीर व चिंतनीय है। ऐसे लोग कतई बख्शे नहीं जाने चाहिए, लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण करना भी ठीक नहीं है।

पुलिस को सब पता था, रकम बरामद कराने में जुटी थी...

चढ़ावा चोरी का मामला पुलिस को भी पहले दिन से पता था। ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ मिलकर पुलिस रकम बरामद करवाने में मदद कर रही थी। इसका खुलासा सीसीटीवी फुटेज से ही हुआ है, जिसमें पुलिसकर्मी अविनाश शुक्ला को गाड़ी में बैठाते कैद हुए हैं। साथ में एक बैग है, जिसमें बरामद रकम बताई जा रही है।

हकीकत में पुलिस भी वही कर रही थी, जो ट्रस्ट के पदाधिकारी कह रहे थे। इसलिए सवालों के जवाब में सिर्फ पुलिस की चुप्पी थी। छह जून को चढ़ावा चोरी का मामला मीडिया में आया था। जब मामले ने तूल पकड़ा और ट्रस्टी सवालों से घिरे, तब एसआईटी गठन की मांग हुई। एसआईटी की प्रारंभिक जांच के बाद 23 जून को केस दर्ज किया गया।

एफआईआर होने से पहले तक कोई भी पुलिस अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं था। हर किसी का जवाब था कि पुलिस का कोई हस्तक्षेप नहीं है, क्योंकि कोई शिकायत नहीं मिली है। लेकिन दो दिन पहले एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया, जिसमें कुछ लोग अविनाश शुक्ला के घर जाकर उसको कार में बैठाते नजर आ रहे हैं।

स्वयं भगवान परशुराम ने की स्थापना, दुर्लभ हैं दो शिवलिंग के दर्शन, शिवालय का होगा कायाकल्प

आगरा , एजेंसी। सावन के महीने से पहले ऐतिहासिक और पौराणिक कैलाश महादेव मंदिर श्रद्धालुओं के लिए एक नए और भव्य रूप में तैयार हो गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने करीब 15.26 करोड़ रुपये की लागत से मंदिर परिसर और यमुना तट पर सुंदरीकरण और विकास कार्य कराए हैं, जिससे यह स्थल अब धार्मिक आस्था के साथ पर्यटन का भी एक प्रमुख केंद्र बन गया है।

यमुना तट पर विकसित रिवर फ्रंट, रेड सैंड स्टोन से बने भव्य घाट, चौड़ी सीढ़ियां, आकर्षक पाथवे, दर्शन डेक और पवेलियन मंदिर की भव्यता को नई पहचान दे रहे हैं। वहीं भगवान शिव के डमरू की विशाल प्रतिकृति श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। शाम के समय यहां का मनमोहक दृश्य श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति कराता है।

मंदिर परिसर की दीवारों पर भगवान शिव और श्रीकृष्ण की लीलाओं को म्यूरल आर्ट के माध्यम से उकेरा गया है। कालिया नाग मर्दन, बांसुरी वादन, अर्जुन को विराट स्वरुप दर्शन, शिव-पार्वती का तांडव और भगवान परशुराम के शिवलिंग पूजा जैसे भित्ति चित्र परिसर की सुंदरता में चार चांद लगा रहे हैं।

यमुना किनारे लगाई गई रेड सैंड स्टोन की जालियां भी आकर्षण का केंद्र हैं। वर्तमान में कोबल स्टोन बिछाने और विद्युतीकरण का कार्य अंतिम चरण में है, जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

मुठभेड़ में दो शातिर बदमाश घायल

पुलिस ने घायलों सहित छह को दबोचा, खुल सकते हैं कई मामले

कानपुर , एजेंसी। औरैया जिले में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बिधूना पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम को बड़ी सफलता मिली है। मंगलवार रात थाना क्षेत्र के डहरियापुर मोड़ के पास पुलिस मुठभेड़ में चोरी और लूट के मामलों में वांछित दो शातिर बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सीओ पी. पुनीत मिश्रा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना बिधूना क्षेत्र में हुई चोरी की घटना में वांछित बदमाश डहरियापुर मोड़ के पास मौजूद हैं। सूचना पर थाना बिधूना पुलिस, स्वाट एवं सर्विलांस टीम ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर दबिश दी। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लग गई।

कई थानों में दर्ज हैं मुकदमे

उनके चार अन्य साथियों को भी मौके से दबोच लिया गया। घायल बदमाशों की पहचान कन्नौज जनपद के थाना सौरिख क्षेत्र के इस्लामनगर निवासी मोमिन तथा मैनपुरी जनपद के थाना किशनी क्षेत्र के हरिपुर निवासी गौरव

उर्फ मामा ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक मोमिन के विरुद्ध विभिन्न थानों में 12 और गौरव उर्फ मामा ठाकुर के विरुद्ध चोरी, लूट सहित अन्य गंभीर धाराओं के 17 मुकदमे दर्ज हैं।

कई घटनाओं का हो सकता है खुलासा

मुठभेड़ में घायल दोनों आरोपियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, गिरफ्तारअन्य चार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में चोरी और लूट की कई घटनाओं का खुलासा हो सकता है। पुलिस अधीक्षक औरैया के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई को जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे व दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर नहीं चलेगी यात्रा, शराब ठेकों पर ये दिया आदेश

मेरठ , एजेंसी। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां करनी शुरू कर दी है। मंगलवार को एडीजी भानु भास्कर ने जोन के सभागार में अफसरों की बैठक ली। इस दौरान एडीजी यातायात और एडीजी लॉ एंड आर्डर भी मौजूद रहे। उन्होंने अलग-अलग वीडियो कांफ्रेंस कर पूरे जोन के अफसरों को कांवड़ यात्रा की तैयारियां जोरों पर करने के निर्देश दिए। स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा पुराने निर्धारित मार्गों से ही चलेगी। गंगा एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे आमजन के लिए खुले रहेंगे। इन पर कांवड़िये नहीं चलेंगे।

एडीजी यातायात ए. सतीश गणेश ने कहा कि सभी स्थानीय अधिकारी बड़े-बड़े मंदिर के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर लें। पार्किंग स्थल को भी चिह्नित कर लें ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। इसके साथ ही हादसों को रोकने के लिए तय नियमों के अनुसार ही डाक कांवड़ और डीजे कांवड़ होनी चाहिए। डीजे संचालकों के

साथ भी बैठक करने के निर्देश दिए। पुलिस कर्मी सादे कपड़ों में कांवड़ मार्ग पर रहेंगे।

एडीजी यातायात ने कहा कि जो भी माहौल खराब करने की कोशिश करे, उसके खिलाफ कार्रवाई करें। इसके अलावा सीसीटीवी व्यवस्था पहले से ज्यादा दुरुस्त करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने कांवड़ यात्रा को लेकर सभी थानेदारों को अपने-अपने क्षेत्र में तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं। एडीजी लॉ एंड आर्डर अमिताभ यश ने भी दिशा निर्देश दिए।एडीजी ने कहा कि कांवड़ यात्रा को लेकर यातायात पुलिस रूट डायवर्जन प्लान समय से तैयार कर ले, ताकि किसी को परेशानी का सामना न करना पड़े। एक सप्ताह पहले कांवड़ियों की भीड़ आनी शुरू हो जाती है। ऐसे में कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए पूरा इंतजाम कर लिया जाए। जो भी माहौल खराब करने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कांवड़ मार्ग पर मीट की दुकान बंद कराई जाए। इसके साथ ही शराब के ठेकों के बाहर पर्दे डाले जाएं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि पिछले साल के मुकाबले इस बार कांवड़ियों की संख्या में इजाफा होगा, उसको ध्यान में रखते हुए व्यवस्था पहले से और बेहतर करें। जहां-जहां कांविड़यों के लिए शिविर लगाए जाते हैं, वहां का निरीक्षण करने के निर्देश भी एडीजी अमिताभ यश ने दिए हैं।

रिंकू सिंह राही की बदली कुर्सी, ब्लॉक प्रमुख बोले- तबादला नहीं, एफआईआर हो

कानपुर , एजेंसी। उरई जिले में जालौन ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन ने तत्कालीन एसडीएम जालौन आईएएस रिंकू सिंह राही के तबादले को अपर्याप्त कार्रवाई बताते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि केवल स्थानांतरण से मामले का निस्तारण नहीं माना जा सकता, बल्कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

गौरतलब है कि सोमवार को आयोजित प्रेसवार्ता में ब्लॉक प्रमुख ने एक वीडियो सार्वजनिक किया था। उनका आरोप था कि वीडियो में तत्कालीन एसडीएम रिंकू सिंह राही उनके साथ अभद्र व्यवहार करते दिखाई दे रहे हैं। ब्लॉक प्रमुख का कहना है कि अधिकारी ने पहले उन्हें थप्पड़ मारने की कोशिश की और बाद में धक्का दिया।

अधिकारी के खिलाफ विधिक कार्रवाई आवश्यक : इसी बीच मंगलवार को प्रशासन ने रिंकू सिंह राही को जालौन एसडीएम पद से हटाकर उरई में न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात कर दिया। तबादले की कार्रवाई के बाद रामराजा निरंजन ने कहा कि यह कदम पर्याप्त नहीं है। उनका कहना है कि यदि किसी जनप्रतिनिधि के साथ ऐसा व्यवहार हुआ है, तो

उसके लिए जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ विधिक कार्रवाई होना आवश्यक है।

जनप्रतिनिधियों के सम्मान को सुनिश्चित करना है : ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि वह मामले को लेकर आगे भी संघर्ष जारी रखेंगे और आवश्यकता पड़ने पर उच्च अधिकारियों तथा शासन स्तर पर भी अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों के सम्मान और कानून के समान अनुपालन को सुनिश्चित करना है।

व्यापारियों से भी हो गया था पंगा : कुछ दिन पूर्व लौना रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान एक व्यापारी के पत्थर तोड़े जाने के आरोप भी सामने आए। वहीं 30 मई को स्थानांतरित किए गए पांच लेखपालों को उच्चाधिकारियों के आदेश के बावजूद कार्यमुक्त न किए जाने का मामला भी चर्चा में रहा। 27 जून को आयोजित थाना दिवस में लेखपाल शिवम द्विवेदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी देने का आरोप भी लगा।

जिलाधिकारी को सौंपा था ज्ञापन : तहसील में शासन के निर्देशों के विपरीत निजी ऑपरेटरों से जनसुनवाई संबंधी कार्य कराए जाने की शिकायतें भी उठीं। आरोप यह भी रहे कि एसडीएम की कार्यशैली से नाराज होकर प्रभारी तहसीलदार समेत पांच लेखपाल चिकित्सा अवकाश पर चले गए। लेखपालों ने सामूहिक अवकाश पर जाने संबंधी ज्ञापन भी जिलाधिकारी को सौंपा था।

ब्लॉक प्रमुख प्रकरण बना निर्णायक मोड़ : हाल ही में जालौन ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन के कोल्ड स्टोर पर हुई जांच के दौरान विवाद और बढ़ गया। ब्लॉक प्रमुख ने आरोप लगाया कि एसडीएम ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया, धक्का दिया और थप्पड़ मारने की कोशिश की। इस संबंध में उन्होंने सीसीटीवी फुटेज भी सार्वजनिक की थी।

पद से हटाकर न्यायिक मजिस्ट्रेट बनाया : मामला तूल पकड़ने पर जिलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राजीव राज को जांच सौंपी गई। सूत्रों के अनुसार जांच के दौरान दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए गए और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण किया गया। जांच रिपोर्ट शासन को भेजे जाने के बाद प्रशासनिक आदेश जारी हुआ, जिसमें रिंकू सिंह राही को जालौन एसडीएम पद से हटाकर न्यायिक मजिस्ट्रेट उरई बनाया गया।

कई पहल भी रहीं चर्चा में : विवादों के बीच रिंकू सिंह राही की कुछ पहल चर्चा में रहीं। उन्होंने ग्रामीण इलाकों में निरक्षर बुजुर्गों को शिक्षित करने के उद्देश्य से विशेष अभियान शुरू किया था। इसके अलावा गांवों और मोहल्लों के लिए अलग-अलग व्हाट्सएप समूह बनवाए गए थे, जिनमें ग्रामीण सीधे अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते थे।

कई मामलों का निस्तारण त्वरित कराया : ग्रामीणों का कहना था कि इससे उन्हें छोटी-छोटी शिकायतों के लिए तहसील मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते थे। एसडीएम स्वयं इन समूहों की निगरानी करते थे और कई मामलों का निस्तारण त्वरित रूप से कराया जाता था। तहसील में भी लोगों के कार्य अपेक्षाकृत तेजी से होने की चर्चा रही। हालांकि प्रशासन की ओर से इस स्थानांतरण को सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसे हालिया विवादों और जांच से जोड़कर देखा जा रहा है।

उमस भरी गर्मी में आगरा में जाम में जिंदगानी, हर दिन की परेशानी

आगरा , एजेंसी। उमस भरी गर्मी में मंगलवार को शहरवासियों को एमजी रोड के दो प्रमुख चौराहों पर पूरे दिन जाम से जूझना पड़ रहा है। हरीपर्वत चौराहे पर मेट्रो के पिलर निर्माण के लिए एक तरफ बैरिकेडिंग लगा दी गई है। कलेक्ट्रेट से रावली के बीच रेलवे पुल पर मेट्रो के पुल निर्माण से भीषण जाम लग रहा है। इससे 5 मिनट की दूरी तय करने में आधा घंटे तक का समय लग रहा है। मेट्रो और पुलिस की ओर से कोई इंतजाम नहीं होने की वजह से लोग घंटों तक वाहनों में फंसे रहकर व्यवस्थाओं को कोसते हैं।

एमजी रोड पर आगरा कैंट से दीवानी चौराहे तक मेट्रो कॉरपोरेशन की ओर से का निर्माण कार्य चल रहा है। मेट्रो ने हाल ही में हरीपर्वत चौराहे पर पिलर निर्माण का कार्य शुरू कराया है। इसके लिए चौराहे पर एक तरफ बैरिकेडिंग की गई है। दिल्ली गेट की तरफ से आने वाले वाहनों को संजय प्लेस की तरफ जाने के लिए स्पीड कलर लैब तिराहे से निकाला जा रहा है।

चौराहे पर पहले से ही सीएम ग्रिड के तहत सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। अब चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाए जाने से समस्या और बढ़ गई है।

सेंट जोंस चौराहे की तरफ से आने वाले वाहन और एमडी जैन कॉलेज की तरफ से आने वाले वाहन आमने-सामने आने पर फंस रहे हैं। कलेक्ट्रेट और रावली पर सबसे ज्यादा दिक्कतें हो रही हैं। एक तरफ मेट्रो ने कलेक्ट्रेट तिराहे पर पिलर बनाने के लिए बैरिकेडिंग की गई है। वहीं कलेक्ट्रेट से रावली की तरफ जाने वाली लेन पर रेलवे पुल के ऊपर भी बैरिकेडिंग कर पिलर निर्माण का कार्य शुरू कर दिया है। इसी तरह एसबीआई तिराहे से कलेक्ट्रेट की तरफ जाने वाली लेन पर रावली महादेव मंदिर के सामने पिलर के लिए गड्ढा खोदा गया है। इससे 25 मीटर आगे भी पिलर निर्माण कार्य शुरू करा दिया है। ऐसे में वाहन चालकों को दोनों लेन पर जाम से जूझना पड़ रहा है। मंगलवार को भी सुबह से देर शाम तक वाहन चालक जाम से जूझते रहे।

कहां-कहां दिक्कतें

- धाकरान चौराहे पर भी समस्या है। सड़क के बीच में पिलर बनाए जाने से महानगर बसों को निकलने में परेशानी हो रही है।
- दीवानी चौराहे पर एक ही लेन से वाहन निकलते हैं। एक लेन पर निर्माण चल रहा है। पीक आवर्स में वाहन फंस रहे हैं।
- पंचकुइयां से जीआईसी मैदान की तरफ जाने वाले रास्ते पर भी सीएम ग्रिड के तहत खुदाई का काम चल रहा है।
- बिजलीघर पर रेलवे पुल के पास पाइप लाइन डालने का काम शुरू कराया गया है। इससे संकरे रास्ते से लोग नहीं निकल पा रहे हैं।
- आईएसबीटी फ्लाईओवर के पास सर्विस रोड को बंद कर दिया है। लोगों को अपने वाहन सर्विस रोड से हाईवे पर आकर गलत दिशा से निकालने पड़ते हैं।
- अबुल उलाह दरगाह, लंगड़े की चौकी, रामबाग से रॉयल कट की तरफ भी सर्विस रोड पर बैरिकेडिंग होने से समस्या है।

एक जुलाई से सरकारी समेत अधिकांश कॉन्वेंट स्कूल खुल रहे हैं। स्कूली बस, ऑटो और वैन हरीपर्वत, सेंट जोंस और दिल्ली गेट, पंचकुइयां, सुभाष पार्क होकर निकलती हैं। जब स्कूली बस एमजी रोड पर आती हैं तो जाम लग जाता है। अब कई मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाए जाने से समस्या बढ़ेगी। इस पर पुलिस का कोई ध्यान नहीं है।

एत्मादपुर में कार्यक्रम से हाईवे रहा जाम : अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह मंगलवार को बरहन तिराहे के पास मॉडल स्कूल मैदान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों के लिए सेंट जॉर्जेस स्कूल और पालकी रिसॉर्ट में पार्किंग की व्यवस्था की गई थी। दोपहर दो बजे के बाद मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष के आगमन पर पुलिस ने ट्रैफिक रोक दिया।

- रावली पर रेलवे पुल पर मेट्रो के पुल का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए निर्माण कार्य शुरू कराया गया है। जाम की समस्या के लिए मार्शल तैनात किए जाएंगे। संबंधित टीमों को निर्देशित किया जाएगा।

पंचानन मिश्रा, उप महाप्रबंधक, मेट्रो

- मेट्रो की ओर से 25 दिन तक रावली पर पुल का निर्माण कार्य कराया जाएगा। लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। लोग अपनी लेन में चले। संभव हो तो वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग कर सकते हैं। पुलिसकर्मी और मार्शल की तैनाती यातायात व्यवस्था संभालने के लिए की गई है।

अलका सिंह, एडीसीपी, ट्रैफिक

संक्षिप्त समाचार

नीट-पीजी 2026 परीक्षा में शामिल होने की मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट-पीजी-2026 परीक्षा के लिए आवेदन करने और उसमें शामिल होने

की अनुमति देने की मांग को लेकर दो डॉक्टरों की याचिका पर अंतरिम राहत देने से दिल्ली हाई कोर्ट ने इंकार कर दिया है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा व न्यायमूर्ति विनोद कुमार की पीठ ने अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार करते हुए एएफटी के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि याचिकाकर्ताओं ने 2025 के नियमों की वैधता पर सवाल उठाए हैं, उन्हें अंतरिम उपाय के तौर पर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने का कोई आधार नहीं बनता। पीठ ने यह भी कहा कि ऐसी राहत देने का मतलब होगा 2025 के नियमों के अमल को रोकना, जबकि उनकी वैधता पर अभी अंतिम फैसला होना बाकी है। याचिकाकर्ता डॉक्टरों मेजर जयंती चंद्रा व मेजर ईशान सेगन ने आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज के मेडिकल/नॉन-टेक्निकल अधिकारियों के लिए ट्रेनिंग और प्रोफेशनल प्रोग्रेशन नियम- 2025 के तहत बदली हुई योग्यता शर्तों को चुनौती दी है और यह मामला अभी आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) में लंबित है।

सब कुछ नहीं हटेगा': राघव को दिल्ली एचसी से झटका, सिर्फ 5 फर्जी ऑनलाइन दस्तावेज हटेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की भाजपा सांसद राघव चड्ढा की मांग पर सभी सामग्री हटाने से हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया है। हालांकि, कोर्ट ने पांच छेड़छाड़ किये गए दस्तावेज हटाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि बाकी सामग्री मानहानि वाला नहीं है। कोर्ट ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा और मानहानि वाली सामग्री को हटाने के लिए कोई भी व्यापक अंतरिम आदेश जारी करने से भी इनकार कर दिया। कोर्ट ने 21 मई को अंतरिम रोक की अर्जी पर दलीलों की सुनवाई के दौरान शुरुआती तौर पर यह टिप्पणी की थी कि चड्ढा द्वारा बताए गए कंटेंट से व्यक्तिगत अधिकारों का कोई उल्लंघन नहीं होता है। कोर्ट ने तब यह भी कहा था कि यह राजनीतिक आलोचना जैसा ज्यादा था।

बागियों ने मजबूत कर दिया एनडीए का नंबरगेम, राज्यसभा में सीटें बढ़ीं

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार में कैबिनेट फेरबदल कभी भी हो सकता है। इन अटकलों के बीच दूसरे दलों से आए उन बागियों की चर्चा भी जोर पकड़ रही है, जिन्होंने एनडीए को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। हालांकि, अब तक साफ नहीं है कि इनमें से कितने नेताओं को कैबिनेट में मौका मिलेगा। हाल ही में आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के सांसदों ने पाला बदलकर संसद में एनडीए को समर्थन दे दिया है। बागियों ने कैसे राज्यसभा में बदला नंबरगेम इसकी शुरुआत आप से हुई। पार्टी के राघव चड्ढा और हरभजन सिंह समेत 7 सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का ऐलान कर दिया था। इसके साथ ही दल के उच्च सदन में सदस्यों की संख्या 114 पर पहुंच गई है। वहीं, हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में भी पार्टी को बड़ा फायदा हुआ है। इसके बाद कहा जा रहा है कि टीएमसी के इस्तीफा देने वाले 4 सांसदों की सीटों पर भी भाजपा बढ़त हासिल कर सकती है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव हारने के कुछ समय बाद ही टीएमसी में दरारें नजर आने लगी थीं। नतीजा यह हुआ कि विधायकों के बाद पार्टी के 20 सांसदों ने बगावत कर दी, जिसमें काकोली घोष दस्तीदार और सुदीप बंदोपाध्याय जैसे वरिष्ठ नेता भी शामिल थे।

दिल्ली में 650 करोड़ के स्वास्थ्य घोटाले में एक्शन, डाटा असिस्टेंट सुमित सिंह बर्खास्त

नई दिल्ली, एजेंसी। 650 करोड़ रुपये के स्वास्थ्य घोटाले की जांच के बीच स्वास्थ्य विभाग में एक और बड़ी कार्रवाई की गई है। महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) डॉ. सुषमा जैन ने डाटा असिस्टेंट सुमित सिंह की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी।

इसके साथ ही डीजीएचएस कार्यालय में तैनात दो जूनियर असिस्टेंट को भी निलंबित कर दिया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) से जुड़े मामलों और निजी दवा सप्लायरों से नजदीकी के आरोपों की जांच के बीच की गई है।

सप्लायरों से नजदीकी और खरीद प्रक्रिया में भूमिका की जांच

आदेश के अनुसार सुमित सिंह को सभी सरकारी फाइलें, दस्तावेज, लैपटॉप, पहचान पत्र और अन्य विभागीय सामग्री तत्काल जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि सुमित सिंह लंबे समय से खरीद और सप्लाई से जुड़े कार्यों में तैनात थे।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि दवा और चिकित्सा सामग्री की खरीद से जुड़े कुछ सप्लायरों के साथ

उनके संबंधों की प्रकृति क्या थी और खरीद प्रक्रिया में उनकी क्या भूमिका रही। इसी मामले में दो जूनियर असिस्टेंट को भी निलंबित किया गया है। हालांकि विभाग ने जांच में उनकी भूमिका को देखते हुए उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। माना जा रहा है कि खरीद प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों, रेकार्ड और फाइल मूवमेंट की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है। दो अधिकारियों को भी निलंबित किया जा चुका है।

अमीरों की सोसाइटी में 'सस्ता घर': 31 लाख रुपये में फ्लैट खरीदने का मौका, 15 जुलाई से शुरू होंगे रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका के सेक्टर-19 बी में बने प्रीमियम अपार्टमेंट में कम्युनिटी सर्विस पर्सनल (सीएसपी) हाउसिंग स्कीम के राउंड-2 के तहत 39 ईडब्ल्यूएस फ्लैट उतारे हैं। ये फ्लैट सर्विस स्टाफ क्वार्टर की तरह ही लिए जा सकेंगे। इस अपार्टमेंट के एचआईजी, सुपर एचआईजी और पेंटहाउस फ्लैट ले चुके लोग ही इन फ्लैट्स को ले सकेंगे। इसमें भी वही आवेदक इन फ्लैट के लिए अप्लाई कर सकेंगे, जिन्होंने पहले सीएसपी के तहत कोई फ्लैट नहीं लिया है। इन फ्लैट्स के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 जुलाई सुबह 11 बजे से शुरू होगी। इसकी अंतिम तिथि 12 अगस्त की शाम 6 बजे तक है। जबकि ई-ऑक्शन की प्रक्रिया 21 अगस्त को सुबह 11 से 1 बजे तक होगी। इन फ्लैट्स का रिजर्व प्राइज 31.28 लाख रुपये है। यह सभी फ्लैट्स एम टावर में हैं। हर आवेदक को एक ही फ्लैट मिलेगा। हालांकि वह मल्टीपल फ्लैट्स के लिए आवेदन कर सकता है। इन फ्लैट्स के लिए मैनटेनेंस कॉर्पस फंड में 75000 रुपये और एक साल का मंथली मेंटेनेंस चार्ज 1.50 रुपये प्रति स्क्वायर फीट देना होगा। इस तरह के सर्विस स्टाफ क्वार्टर अलॉट करने की सुविधा अभी डीडीए ने द्वारका के इसी प्रीमियम अपार्टमेंट में शुरू की है।

टिल्लू ताजपुरिया का खास गुर्गा गिरफ्तार, अलीपुर में की थी ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में संगठित अपराध और गैंगस्टर के खिलाफ दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अलीपुर में जमीन कब्जाने के दौरान हुई 12 राउंड फायरिंग मामले में कुख्यात टिल्लू

ताजपुरिया के करीबी गुर्गे संदीप उर्फ दागू महाराज और उसके एक साथी दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, आठ कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई काले रंग की स्कॉर्पियो-एन कार बरामद की है।

30 अक्टूबर 2025 को रामजनपुर गांव में एक विवादित प्लॉट पर कब्जा करने के इरादे से करीब 40 से 45 हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोला था। इलाके में दहशत फैलाने के लिए बदमाशों ने अंधाधुंध 12 राउंड हवाई फायरिंग की, ताले तोड़े और वहां मौजूद लोगों पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस संबंध में अलीपुर थाने में मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोचा

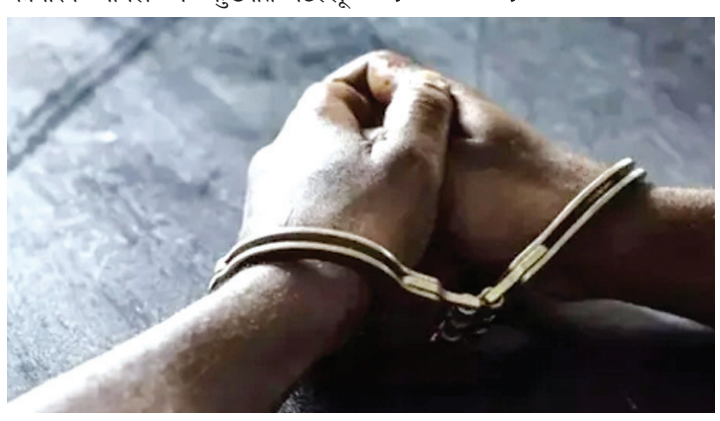

क्राइम ब्रांच के एसीपी गिरीश कौशिक और इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह की टीम को सूचना मिली कि अलीपुर फायरिंग मामले का वांटेड संदीप उर्फ दागू महाराज अपने साथी के साथ काले रंग की स्कॉर्पियो कार से नरेला इलाके में आने वाला है। पुलिस टीम ने नरेला यूईआर-दो रोड और अलीपुर-नरेला रोड को जोड़ने वाली रोड पर संदिग्ध कार वहां पहुंची, पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। बदमाशों ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी संदीप उर्फ दागू महाराज (40 वर्ष) सातवीं पास है और साल 2011 में मोबाइल झपटमारी के केस से अपराध की दुनिया में आया था। इसके बाद वह हत्या और हत्या के प्रयास जैसे कई संगीन मामलों में शामिल रहा।

सोनीपत जेल में हुई थी टिल्लू से मुलाकात

साल 2016 से 2022 के बीच जब वह सोनीपत जेल में बंद था, तब उसकी मुलाकात कुख्यात गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया से हुई। टिल्लू ने उसे रुपयों और पावर का लालच देकर अपने गैंग में शामिल किया और जेल से छूटने से पहले एक इंटरनेशनल व्हाट्सएप नंबर दिया।

जेल से बाहर आते ही संदीप ने टिल्लू से संपर्क किया। फरवरी 2023 में टिल्लू के गुर्गों ने उसे सिंघु बॉर्डर के पास एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और कारतूस सौंपे, जिसका इस्तेमाल वह वारदातों में कर रहा था। अलीपुर की वारदात को लेकर संदीप ने कुबूल किया कि टिल्लू गैंग के एक्टिव मेंबर दीपक बालियान ने उसे और उसके भाई शांतनु को हथियार लेकर विवादित प्लॉट पर कब्जा करने के लिए बुलाया था।संदीप उर्फ दागू महाराजः 40 वर्षीय दागू सोनीपत का रहने वाला है। वह टिल्लू ताजपुरिया गैंग का एक्टिव मेंबर है। इस पर दिल्ली और हरियाणा (कुंडली, मुरथल, नरेला) में हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के 6 से ज्यादा संगीन मामले दर्ज हैं।

अवैध पार्किंग की जांच कर रहीं कमेटी चेयरमैन के दफ्तर के सामने हो रहा 'खेल', पड़ताल में खुली निगम की पोल

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम में सबसे उच्च पद स्थायी समिति का माना जाता है। इस कुर्सी पर बैठे नेता की अनुमति के बिना निगम में पत्ता तक नहीं हिल सकता। पिछले कुछ दिनों से स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा उत्तर पूर्वी जिले में पार्किंग का निरीक्षण कर रही हैं। कई अवैध पार्किंग पर कार्रवाई की बात भी कही। कार्रवाई का क्या असर हो रहा है, 'दैनिक जागरण' ने मंगलवार को इसकी पड़ताल की।

न्यू उस्मानपुर स्थित जगदीश टावर में समिति अध्यक्ष का कार्यालय बना हुआ है। इसके ठीक सामने ही धड़ल्ले से अवैध पार्किंग चल रही है। वाहन चालकों से शुल्क वसूला जा रहा है, लेकिन पार्किंग की स्लिप नहीं दी जा रही है। पार्किंग माफिया अनिल शर्मा का दुस्साहस इतना ज्यादा है कि उसे डर नहीं है कि निगम या पुलिस उसपर कार्रवाई करेगी। उसने अपने पक्ष में कहा कि वह अवैध पार्किंग करेगा कोई उसे नहीं रोक सकता। वाहनों की सुरक्षा के नाम पर वह वाहन चालकों से शुल्क वसूल रहा है। न्यू उस्मानपुर थाने के पास जिला प्रशासन की जमीन पर माफिया कब्जा करके अवैध पार्किंग चला रहा है। फोटो मंगलवार दिन में 11:47 बजे की है। सरकारी जमीन पर किया कब्जा वहीं, न्यू उस्मानपुर थाने के

पास जिला प्रशासन की जमीन को माफिया ने कब्जाया हुआ है। इस सरकारी जमीन पर इस अवैध पार्किंग में डग्गामार बसों का अवैध बस अड्डा चलता हुआ मिला। बसों में माल की लोडिंग न अनलोडिंग हो रही थी। आरोप है कि भजनपुरा से एक पूर्व मनोनित पार्षद का भाई यहां अवैध पार्किंग चला रहा है। सरकारी जमीन को घेरने वाले मोहित तोमर ने कहा कि जल्द ही जगह खाली कर देगा। आरपी सेल व थाना पुलिस की मिलीभगत सरकारी जमीन को माफिया ने घेर कैसे लिया। डीएम ने कार्रवाई की बात की। शाम तक डीएम ने जमीन खाली करवा दी और न्यू उस्मानपुर थानाध्यक्ष को पत्र लिखकर कार्रवाई को कहा। न्यू उस्मानपुर व शास्त्री पार्क थाने के पास ही करीब चार पार्किंग अवैध चल रही हैं। डीडीए की सड़कों पर अलग-अलग पार्किंग माफिया का कब्जा है। पड़ताल में पता चला कि आरपी सेल व थाना पुलिस की मिलीभगत से यह धंधा जोरों पर चल रहा है। इन अवैध पार्किंग पर कार्रवाई का जिम्मा दिल्ली नगर निगम के आरपी सेल का है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पार्षद, विधायक से लेकर सांसद तक कोई ऐसा जनप्रतिनिधि नहीं है, जिन्हें अवैध पार्किंग का न पता हो। राष्ट्रीय राजधानी में किस तरह से संगठित तरीके से अवैध पार्किंग का खेल चल रहा है और सरकारी रेवेन्यू को चपत लगाई जा रही है यह जनप्रतिनिधि अच्छे से जानते हैं।

भारत के एक कदम से घुटनों पर आया पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत द्वारा सिंधु जल समझौता स्थगित करने के बाद से पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है और अब वह दुनिया के सामने सिंधु जल समझौता लागू कराने की गुहार लगा रहा है। इसे लेकर पाकिस्तान ने एक कथित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। इस सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान ने गीदड़भभकी दिखाते हुए कहा कि अगर सिंधु जल समझौता विफल हो जाता है तो कागजों पर बनी कोई भी विश्व व्यवस्था सुरक्षित नहीं रहेगी। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह जल समझौता स्थगित कर दिया था।

सिंधु जल समझौता स्थगित रहा तो पाकिस्तान की बढ़ेगी परेशानी: पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था और बिजली उत्पादन सिंधु नदी के जल पर काफी हद तक निर्भर है। सिंधु जल समझौता स्थगित होने से पाकिस्तान को नदियों के जल की मात्रा के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। इससे पाकिस्तान को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वैश्विक सम्मेलन में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा सिर्फ जल

बंटवारे की व्यवस्था नहीं है बल्कि क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और सहयोग का महत्वपूर्ण साधन भी है। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के मुखिया और सांसद बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल समझौता पाकिस्तान पर कोई एहसान नहीं था। पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर बार-बार सिंधु जल समझौते का मुद्दा उठा रहा है। अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को हुए इस वैश्विक सम्मेलन में पाकिस्तान ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया। इस पहल के जरिए पाकिस्तान सिंधु जल समझौते पर अपने पक्ष को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तानी नेताओं ने दिखाई गीदड़भभकी: पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा कि यह अपनी तरह का पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार है। इस सम्मेलन में पाकिस्तानी सीनेटर मुसादिक मलिक ने कहा कि सिंधु जल समझौते के तहत दोनों परमाणु शक्तियों के बीच तीन युद्ध हुए हैं। अगर यह संधि कायम नहीं रहती है तो दूसरे विश्वयुद्ध के बाद की कागजों पर कोई भी विश्व व्यवस्था सुरक्षित नहीं रहेगी। मलिक ने सवाल उठाया कि अगर कोई शक्तिशाली देश एकतरफा तरीके से अंतरराष्ट्रीय संधियों का निलंबन करता है तो इससे अंतरराष्ट्रीय संधियों की विश्ववसनीयता कितनी रह जाएगी?

● राष्ट्रपति चुनाव की तर्ज पर सम्मलेन की तैयारी

ट्रंप की नई सियासी चालः चुनाव से चार माह पहले डलास में बड़े जलसे का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि रिपब्लिकन पार्टी मध्यावधी चुनावों से पहले अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगी। यह एक अनोखा राजनीतिक आयोजन होगा, जिसका उद्देश्य आगामी मध्यावधी चुनावों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना और कांग्रेस में पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए समर्थन जुटाना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह राष्ट्रीय सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को टेक्सास के डलास शहर में आयोजित किया जाएगा।

आमतौर पर अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बड़े राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती हैं, लेकिन ट्रंप लंबे समय से मध्यावधी चुनावों से पहले भी

इसी तरह का आयोजन करने के पक्षधर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की अहम सीटों पर मतदाताओं का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस के किसी भी सदन में बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ने से रोक सकते हैं। साथ ही उनके कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में प्रशासन की व्यापक जांच-पड़ताल भी शुरू कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस में रिपब्लिकन का बहुमत बेहद मामूली है। अमेरिकी राजनीति में आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी मध्यावधी चुनावों में सीटें गंवाती है। इस बार ट्रंप स्वयं चुनावी बैलेट पर नहीं होंगे, इसलिए पार्टी नेतृत्व को अपने समर्थकों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराईः अस्पतालों पर भारी दबाव

काराकास, एजेंसी। दो जबरदस्त भूकंपों के लगभग एक हफ्ते बाद वेनेजुएला का पहले से कमजोर स्वास्थ्य तंत्र अपनी क्षमता की सीमा तक पहुंच गया है। राहत संगठनों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे अस्पताल घायलों से भर चुके हैं, जबकि आपदा प्रभावित इलाकों में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। इस बीच, सरकार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में आधिकारिक तौर पर बचाए गए लोगों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भूकंप के बाद शुरुआती दो दिनों में 5,380 लोगों को बचाया गया था, जबकि सोमवार को अधिकारियों को केवल चार लोग जिंदा मिले। भूकंप के बाद जीवित लोगों को खोजने का सबसे अहम समय आमतौर पर 48 से 72 घंटे माना जाता है, लेकिन तापमान और पानी या भोजन की उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर इससे ज्यादा समय तक भी कोई जीवित रह सकता

है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया कि मंगलवार दोपहर तक बचाए गए लोगों में केवल एक छोटा बच्चा जिंदा मिला, जो छह दिनों तक गिरी हुई इमारत के मलबे में फंसा रहा। इन आंकड़ों में देशभर में स्वयंसेवी समूहों द्वारा किए गए कई बचाव अभियान शामिल नहीं हैं। सरकार की धीमी प्रतिक्रिया से निराश होकर इन समूहों ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के पहुंचने से कई दिन पहले ही अपने फंसे हुए परिजनों को बचाने के लिए अभियान शुरू कर दिया था।

सरकार के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 1,900 से ज्यादा हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा वास्तविकता से काफी कम हो सकता है, क्योंकि हर दिन मलबे से और शव निकाले जा रहे हैं तथा मुर्दाघरों में शव रखने की जगह भी कम पड़ रही है। जीवित बचे लोगों के बीच मानवीय संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने हजारों बेघर लोगों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंता जताई है। ये लोग कई दिनों से खुले आसमान के नीचे या भीड़भाड़ और गंदगी वाले अस्थायी ठिकानों पर रहने को मजबूर हैं।

भूकंप से अब तक कितने लोग हुए प्रभावित?: जिनेवा में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रवक्ता क्रिश्चियन लिंडमेयर ने कहा कि दशकों से कम निवेश और वर्षों के आर्थिक संकट से जूझ रही वेनेजुएला की स्वास्थ्य व्यवस्था अब अभूतपूर्व दबाव में है। अचानक बढ़े ट्रॉमा के मामलों ने अस्पतालों की क्षमता को पूरी तरह चुनौती दे दी है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी की प्रवक्ता कार्लोटा वोल्फ ने बताया कि वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार भूकंप से 15,800 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। यह आंकड़ा उन लोगों का है जो बेघर हो चुके हैं। कई लोग कारों, पार्कों और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताने को मजबूर हैं। वोल्फ ने कहा कि यह संख्या आगे और बढ़ सकती है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ला गुएरा, जो राजधानी काराकास के पास समुद्र तटीय क्षेत्र में स्थित है, वहां बड़ी संख्या में लोग भोजन और पेयजल की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं।

किन चीजों का खतरा बढ़ा?

लिंडमेयर ने कहा कि शौचालय, स्नान की सुविधा और साबुन जैसी बुनियादी चीजों की कमी के कारण बेघर लोगों में खसरे जैसी रोकी जा सकने वाली बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि वहां पहले से ही टीकाकरण की दर कम है। इसके अलावा डेंगू, पीला बुखार और मलेरिया जैसी जलजनित और मच्छर जनित बीमारियों के फैलने के लिए भी हालात अनुकूल हैं। सरकार के अनुसार, पिछले सप्ताह आए भूकंपों से देशभर में 38 अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए हैं या उनका कामकाज प्रभावित हुआ है। ड्ढ।ह्व ने अब तक इनमें से 21 अस्पतालों का आकलन किया है। इनमें तीन अस्पताल पूरी तरह बंद हो चुके हैं, छह को गंभीर नुकसान पहुंचा है और बाकी अस्पताल घायलों की लगातार बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं।

संपादकीय | स्वास्थ्य व्यवस्था में गहरी होती भ्रष्टाचार की जड़ें

आमतौर पर सभी सरकारें जनता के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर सबसे ज्यादा ध्यान देने का भरोसा देती हैं, लेकिन इस महकमे में पसरी अव्यवस्था और लोगों को होने वाली असुविधाओं के वास्तविक कारणों को दूर करने को लेकर शायद ही कभी संजीदा होती हैं। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों में जिस तरह के घोटाले का खुलासा हुआ, उससे एक बार फिर यही पता चलता है कि सरकारों के लिए आम नागरिकों को एक सुव्यवस्थित और पारदर्शी स्वास्थ्य तंत्र मुहैया कराने का मुद्दा किस हद तक उपेक्षित है।

गौरतलब है कि दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में दवाओं, शल्य चिकित्सा संबंधी सामग्री सहित अन्य उपकरणों की खरीद में कुछ समय पहले करीब साढ़े छह सौ करोड़ रुपए का घोटाला उजागर हुआ। अब इसी मामले की छानबीन के क्रम में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रविवार को दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के दो पूर्व अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। आरोपों के मुताबिक, स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्व महानिदेशक के अधीन संचालित केंद्रीय खरीद एजंसी के जरिए शल्य चिकित्सा से जुड़े उपकरणों और अन्य चिकित्सा सामग्री की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती गई।

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन अस्पतालों पर एक बड़ी आबादी अपनी बीमारियों के इलाज से लेकर आपात स्थिति में जान बचाने तक के लिए निर्भर होती है, उसे संचालित करने वाले अधिकारी खुद भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जा रहे हैं। यह छिपा तथ्य नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आमतौर पर समाज का वही तबका

जाता है, जो निजी अस्पतालों में महंगे इलाज का खर्च वहन नहीं कर पाता है।

सरकारी अस्पतालों में इलाज के क्रम में अक्सर मरीजों को चिकित्सा सामग्री की कमी का सामना करना पड़ता है, उनके परिजनों को अपने पैसे से दवा या अन्य चिकित्सा उपकरण बाहर से खरीदने पड़ते हैं। जबकि सामान्य स्थितियों में अस्पतालों में मरीजों के इलाज के लिए दवाओं से लेकर अन्य चिकित्सा सामग्री सरकार की ओर से मुहैया कराई जाती है। मगर जब संसाधनों की खरीद से जुड़े अधिकारी ही दवा और अन्य जरूरी उपकरणों की खरीद को निजी कमाई और भ्रष्टाचार का जरिया बना लें, तो मरीजों के प्रति उनकी संवेदनहीनता का अंदाजा लगाया जा सकता है। सवाल है कि इस स्तर का भ्रष्टाचार लंबे समय तक कैसे जारी रह पाता है और सरकार के तहत काम करने वाली भ्रष्टाचार निरोधक एजंसी तथा अन्य निगरानी तंत्र क्या कर रहे होते हैं। देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में शासन-तंत्र अपेक्षया बेहतर तरीके से काम करता होगा और किसी भी महकमे में भ्रष्टाचार को रोकने को लेकर ज्यादा चौकस होगा। मगर अलग-अलग विभागों में अक्सर जिस तरह की अनियमितताएं सामने आती रही हैं, उससे साफ है कि यहां भी अन्य जगहों की तरह ही भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को समय पर रोक पाना एक मुश्किल काम है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि स्वास्थ्य महकमे में होने वाला घोटाला सीधे-सीधे आम जनता की सेहत और जीवन से जुड़ा मसला है। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर बड़े अस्पतालों तक में चिकित्सा संसाधनों के अभाव के मामले जगजाहिर रहे हैं। साधारण और गरीब तबकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के बजाय अस्पतालों में जारी भ्रष्टाचार पर अगर रोक नहीं लग पा रही है, तो सरकार के जनहित में व्यापक कल्याण कार्यक्रम संचालित करने के दावों को कैसे देखा जाएगा?

पश्चिम एशिया में समझौते पर संकट के बादल

पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त करने को लेकर हुए प्रारंभिक समझौते से यह माना जा रहा था कि क्षेत्र में शांति कायम करने का स्थायी हल निकाल लिया जाएगा और वैश्विक स्तर पर पैदा हुए ऊर्जा संकट से भी राहत मिलेगी। मगर अमेरिका और ईरान के फिर तल्ख होते तेवर से अब इस समझौते पर ही संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया। हालांकि अमेरिका की ओर से कहा जा रहा है कि ताजा घटनाक्रम का द्विपक्षीय बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ईरान ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि उसके क्षेत्र में

हमले जारी रहे, तो युद्ध खत्म करने के लिए जारी वार्ता पूरी तरह रोकी जा सकती है। यह विचित्र है कि एक तरफ दोनों देशों ने समझौते को स्थायी रूप से लागू करने के लिए शांति वार्ता को लेकर प्रतिबद्धता जताई है और इस बीच वार-पलटवार का सिलसिला भी जारी है। मौजूदा हालात में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अमेरिका और ईरान इस समझौते को लेकर वास्तव में गंभीर हैं भी या नहीं? यह आशंका इसलिए गहरा रही है, क्योंकि दोनों देशों की ओर से समझौते के नियमों का पालन करने को लेकर कोई संजीदगी नजर नहीं आती है। हमले और वार्ता दोनों साथ-साथ कैसे चल सकते हैं? और अगर ऐसा होता भी है, तो जाहिर है कि कोई सकारात्मक परिणाम सामने आने की गुंजाइश बेहद कम होगी। अमेरिका के रुख के बाद ईरान की ओर से बहरीन और कुवैत पर ये हमले ऐसे समय हुए, जब अमेरिकी नौसेना की निगरानी में काम करने वाली एक बहुराष्ट्रीय समुद्री संस्था ने बीते शनिवार को कहा कि होर्मुज जलमार्ग में ओमान के पास स्थित एक मार्ग का विस्तार किया जाएगा, ताकि उससे खाड़ी में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले पोतों की आवाजाही आसान हो सके। इस कदम से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव का एक नया मोर्चा खुल सकता है, क्योंकि ईरान इस महत्त्वपूर्ण जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर अपना पूरा नियंत्रण बनाए रखना चाहता है।

आज का कार्टून

अगर मैं मुसलमान होता तो मैं भी जेल के अंदर होता: अभिजीत दीपके

वेनेजुएला भूकम्प त्रासदी: भारत के लिए चेतावनी...

> हाल के दिनों में भारत के लिए वेनेजुएला कच्चे तेल का एक महत्त्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बन गया था। मगर भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदा के कारण बंदरगाहों के बाधित होने और जहाजों की आवाजाही में देरी से भारत के ऊर्जा आयात पर असर पड़ सकता है। ऐसे में भविष्य में संभावित आपदाओं को ध्यान में रखकर भारत को अपने कच्चे तेल के स्रोतों में और अधिक विविधता लाने की आवश्यकता है। वेनेजुएला में भूकम्प की कम गहराई और कोई पूर्व चेतावनी प्रणाली न होने की वजह से भी जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। इसलिए भारत को उन्नत 'अर्ली वार्निंग सेंसर नेटवर्क' (शीघ्र चेतावनी तंत्र) और एनडीआरएफ की त्वरित तैनाती की क्षमता को और मजबूत करना होगा। देश में ऐसे संकटों से निपटने के लिए चिकित्सा और आपदा प्रबंधन क्षमता को भी बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नए बनने वाले घर, स्कूल, अस्पताल और सरकारी इमारतें अनिवार्य रूप से भूकम्परोधी हों।

पुष्परंजन

हाल में आए भूकम्प के 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले दो झटकों से वहां बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग अब भी लापता हैं। भूकम्प के बाद वहां शुरुआती माहौल घबराहट और दुख का था लेकिन अब सरकार की ओर से त्वरित मदद को लेकर लोगों में निराशा और गुस्सा बढ़ रहा है। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में यह आपदा अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। जैसे-जैसे मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लोगों में डर और सरकार के प्रति नाराजगी भी बढ़ती जा रही है। भूकम्प के कुछ घंटों बाद सरकार ने आपात स्थिति की घोषणा की और हालात से निपटने के लिए दुनिया से मदद की अपील की। भारत ने भी तुरंत मदद का हाथ आगे बढ़ाते हुए विशेष अभियान की घोषणा की, जिसके तहत राहत कार्यों में सहयोग के लिए जरूरी मानवीय मदद लेकर वायुसेना के दो सी-17 विमान वेनेजुएला के लिए रवाना हुए। यह त्रासदी भारत समेत उन तमाम देशों के लिए एक सबक है, जो भूकम्प की दृष्टि से संवेदनशील हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वेनेजुएला में भूकम्प पीड़ितों की मदद के लिए शुरू किए गए अभियान में भारतीय सेना की एक सचल अस्पताल इकाई, पैंतीस टन से ज्यादा राहत सामग्री, जिनमें दवाइयां और चिकित्सा उपकरण भी शामिल हैं।

अधिकारिक जानकारी के मुताबिक, वेनेजुएला में आए भूकम्प के दो झटकों से राजधानी काराकस में कई इमारतें गिर गईं और लोगों के बीच हाहाकार मच गया। भूकम्प का प्रभाव कई क्षेत्रों में महसूस किया गया और बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ। वहां की कार्यकारी राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्स का कहना है कि बचाव अभियान अभी जारी है और मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश की जा रही है। वहां भूकम्प प्रभावित इलाकों में व्यवस्था को संभालने के लिए सेना को तैनात किया गया है। जो लोग भी इन इलाकों में जाना चाहते हैं, उन्हें काराकास में अपना पंजीकरण कराना पड़ता है। मीडिया कर्मियों को भी इलाके में तभी जाने दिया जाता है, जब उन्हें सरकारी बसों में ले जाया जाए। गौरतलब है कि वेनेजुएला में मादुरो को हटाने के बाद रोड्रिग्स को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सहमति से वेनेजुएला की कमान सौंपी गई थी।

एमहर्स्ट कालेज के राजनीतिक विज्ञानी खाबियर कोरालेस के मुताबिक वेनेजुएला में इस प्राकृतिक आपदा का ज्यादा असर सिर्फ भूकम्प की तीव्रता की वजह से ही नहीं बल्कि जमीन पर खराब हालात की वजह से भी पड़ा है। पिछले पच्चीस वर्षों से वेनेजुएला पर सोशलिस्ट राष्ट्रपति का शासन रहा है, चाहे वह रोड्रिग्स हों, मादुरो हों या शावेज। मगर भूकम्प के बाद विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो वेनेजुएला लौटने की कोशिश कर रही हैं जिन्हें दिसंबर में नोबेल शांति पुरस्कार लेने के लिए विदेश ले जाया गया था। मचाडो को भविष्य में राष्ट्रपति पद के लिए संभावित उम्मीदवारों में एक प्रमुख चेहरा माना जाता है। वेनेजुएला में भाई-भतीजावाद और उपभोक्तावाद की समस्या भारत की तरह ही है। यह तरीका रोड्रिग्स की चुनावी मुकाबले की ताकत बढ़ा सकता है। वेनेजुएला के विपक्ष की तरफ से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की बढ़ती मांगों के बावजूद, रोड्रिग्स ने अब तक इसमें कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई है कि चुनाव कब होंगे, या उन्हें कैसे आयोजित किया जाएगा। मगर कुछ विश्लेषकों का तर्क है कि रोड्रिग्स भूकम्प की त्रासदी का इस्तेमाल अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए कर सकती हैं। वेनेजुएला को दुनिया भर से भूकम्प राहत के तौर पर बड़ी रकम मिल सकती है और रोड्रिग्स इसे अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अपनी कुशलता के तौर पर प्रस्तुत कर सकती हैं। वेनेजुएला की मौजूदा सरकार वही कर सकती है, जो वह करती आई है। अंतरराष्ट्रीय मदद के जरिए मिली रकम का एक बड़ा हिस्सा भूकम्प पीड़ितों के बजाय अमीरों और जनता के एक खास वर्ग को अपने साथ जोड़ने के लिए खर्च कर दिया जाए, तो हैरानी की बात नहीं होगी।

पिछले दिनों वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्स भारत के दौरे पर आई थीं। इस दौरान भारत और वेनेजुएला के बीच ऊर्जा, व्यापार, निवेश एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के संकल्प किए गए थे। अब वेनेजुएला में आए भीषण भूकम्प के बाद भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया है। मगर सवाल है कि क्या भारत इस प्राकृतिक आपदा में बड़े पैमाने पर हुए नुकसान से कोई सबक लेगा? इसमें दोराय नहीं कि भारत को अपनी भूकम्प-रोधी निर्माण क्षमता को सुधारने, कमजोर इमारतों की पहचान करने और आपदा राहत के लिए स्वदेशी सचल अस्पताल प्रणाली को हर समय तैयार रखने की जरूरत है। देश का लगभग 59 फीसद भू-भाग भूकम्प की लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। दिल्ली-एनसीआर जैसे घने और अधिक आबादी वाले शहरों में बहुत सारी इमारतें तीव्र भूकम्प झेलने में सक्षम नहीं हैं। देश में कमजोर इमारतों की तुरंत पहचान कर उन्हें मजबूत करना होगा और नए निर्माणों में भूकम्प-रोधी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा। देश में भले ही सरकारी कागजों में बहुमंजिला इमारतों के निर्माण में भूकम्प-रोधी तकनीक के महत्त्व को रेखांकित किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसे लागू करने में कोई गंभीरता नजर नहीं आती है। देश भर में बहुत कम निर्माण ऐसे होंगे, जिनमें भूकम्प-रोधी तकनीक का इस्तेमाल किया गया हो। यहां तक कि सरकारी निर्माण कार्यों में भी इस तकनीक के इस्तेमाल की निगरानी का अभाव साफ नजर आता है। ऐसे में जरूरी है कि इस मामले में हर स्तर पर जिम्मेदारी और गंभीरता दिखाई जाए। यही नहीं, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदा के बाद के हालात से निपटने के लिए भी माकूल तैयारी करनी होगी। युद्ध स्तर पर बचाव कार्य और पुनर्वास कार्यक्रमों का एक व्यापक ढांचा विकसित करना होगा ताकि प्रभावित लोगों के जीवन को फिर से पटरी पर लाया जा सके। हाल के दिनों में भारत के लिए वेनेजुएला कच्चे तेल का एक महत्त्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बन गया था। मगर भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदा के कारण बंदरगाहों के बाधित होने और जहाजों की आवाजाही में देरी से भारत के ऊर्जा आयात पर असर पड़ सकता है। ऐसे में भविष्य में संभावित आपदाओं को ध्यान में रखकर भारत को अपने कच्चे तेल के स्रोतों में और अधिक विविधता लाने की आवश्यकता है। वेनेजुएला में भूकम्प की कम गहराई और कोई पूर्व चेतावनी प्रणाली न होने की वजह से भी जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। इसलिए भारत को उन्नत 'अर्ली वार्निंग सेंसर नेटवर्क' (शीघ्र चेतावनी तंत्र) और एनडीआरएफ की त्वरित तैनाती की क्षमता को और मजबूत करना होगा। देश में ऐसे संकटों से निपटने के लिए चिकित्सा और आपदा प्रबंधन क्षमता को भी बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नए बनने वाले घर, स्कूल, अस्पताल और सरकारी इमारतें अनिवार्य रूप से भूकम्परोधी हों। बड़े शहरों और कस्बों में असुरक्षित एवं अनियोजित निर्माण पर प्रभावी तरीके से रोक लगाने की जरूरत है। इसके अलावा आपातकालीन स्थिति के लिए सुरक्षित स्थानों पर भोजन, दवाइयां और अन्य जरूरी राहत सामग्री का पर्याप्त भंडार बनाए रखना भी बेहद आवश्यक है।

जहां 'मैं' जीतता है, रिश्ते हार जाते हैं...

> प्रेम तब सुंदर होता है जब उसमें स्वतंत्रता और विश्वास हो। अगर हर समय सामने वाले से पूर्णता की आशा की जाएगी, तो निराशा ही हाथ लगेगी। मनुष्य अपूर्ण है और यही अपूर्णता उसे मानवीय बनाती है। रिश्तों की खूबसूरती इसी में है कि हम एक-दूसरे की कमियों के साथ भी एक-दूसरे को स्वीकार करें। रिश्तों में 'सिर्फ मैं' का अत्यधिक विस्तार मनुष्य को भीतर से अकेला बना रहा है। अगर हमें अपने संबंधों को बचाना है, तो 'मैं' से 'हम' की यात्रा करनी होगी। हमें यह समझना होगा कि रिश्ते तर्क से नहीं, संवेदना से चलते हैं। वहां अहंकार नहीं, अपनापन काम आता है। संसार में सबसे सुंदर अनुभव किसी पर अधिकार जमाने में नहीं, बल्कि किसी के साथ आत्मीयता से जुड़ने में है।

सुप्रिया सत्यार्थी

आज का समय तकनीक, सुविधा और तीव्र गति का समय है। मनुष्य पहले से अधिक जुड़ा हुआ दिखाई देता है, लेकिन भीतर से उतना ही अकेला भी होता जा रहा है। मोबाइल की स्क्रीन पर हजारों संपर्क हैं, लेकिन दिलों के बीच संवाद का पुल कमजोर पड़ता जा रहा है। रिश्ते बन तो जल्दी जाते हैं, पर टिक नहीं पाते। इसका सबसे बड़ा कारण केवल परिस्थितियां नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बढ़ता हुआ 'सिर्फ मैं' का भाव है। यही 'मैं' आज रिश्तों की जड़ों को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। जहां प्रेम में साझेदारी के सरोकार के भाव वाले 'हम' का विस्तार होना चाहिए था, वहां अहंकार ने 'सिर्फ मैं' की ऊंची दीवारें खड़ी कर दी हैं। नतीजतन, रिश्ते अब संवेदनाओं के नहीं, बल्कि अपेक्षाओं और स्वार्थों के केंद्र बनते जा रहे हैं। रिश्तों का आधार हमेशा से विश्वास, त्याग, धैर्य और संवाद रहा है। जब दो लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं, तब वे भावनाओं से भी जुड़ते हैं। मगर आज लोग अपनी इच्छाओं, अपने विचारों और अपनी सुविधाओं को इतना अधिक महत्त्व देने लगे हैं कि उनके पास दूसरों की भावनाओं को समझने का समय ही नहीं बचा। हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी बात सुनी जाए, भावनाओं को समझा जाए, उसके अनुसार व्यवहार किया जाए, लेकिन वही व्यक्ति दूसरे को सुनने और समझने की जिम्मेदारी से बचता दिखता है। यह असंतुलन रिश्तों में दरार पैदा करता है।

दरअसल, प्रतिस्पर्धा और सफलता की अंधी दौड़ ने मनुष्य को अत्यधिक आत्मकेंद्रित बना दिया है। वह हर संबंध को लाभ और हानि की दृष्टि से देखने लगा है। रिश्ते अब भावनात्मक सहारे की जगह सामाजिक प्रदर्शन का माध्यम बनने लगे हैं। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। एक आभासी चमक ने मनुष्य के भीतर तुलना और अहंकार को जन्म दिया है। जबकि अहंकार किसी भी रिश्ते का सबसे बड़ा शत्रु होता है। यह मनुष्य को झुकने नहीं देता, माफी नहीं मांगने नहीं देता और अपनी गलती स्वीकार करने का साहस भी नहीं देता। छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट जाते हैं, क्योंकि कोई भी व्यक्ति पहला कदम पीछे नहीं लेना चाहता। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, मित्र या भाई-बहन- हर संबंध में यह समस्या दिखाई देती है।

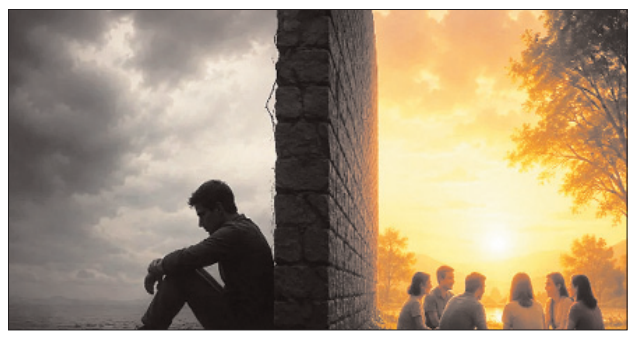

संवाद की जगह विवाद ने ले ली है। लोग सुनते कम हैं और अपनी बात मनवाने का प्रयास अधिक करते हैं। जबकि हर व्यक्ति की सोच, अनुभव और दृष्टिकोण अलग होता है। अगर हम केवल अपनी दृष्टि को ही अंतिम सत्य मान लेंगे, तो रिश्तों में सामंजस्य कभी संभव नहीं हो सकेगा। भारतीय दर्शन में 'अनेकांतवाद' की अवधारणा सिखाती है कि सत्य केवल एक पक्ष में सीमित नहीं होता, बल्कि उसके अनेक आयाम हो सकते हैं। अगर हम यह स्वीकार कर लें कि सामने वाला व्यक्ति भी अपनी जगह सही हो सकता है, तो अधिकांश मतभेद अपने आप समाप्त हो जाएंगे। यह समझ आवश्यक है कि हर विवाद में जीतना जरूरी नहीं होता। जो व्यक्ति झुकना जानता है, वही वास्तव में संबंधों को सहेज सकता है।

संयुक्त परिवारों में कभी सहनशीलता, सामूहिकता और त्याग की भावना अधिक होती थी। लोग एक-दूसरे की कमियों को स्वीकार कर लेते थे। अब छोटी-छोटी असहमतियां भी बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं। जहां केवल अधिकारों की मांग होती है और कर्तव्यों की उपेक्षा, वहां संबंध अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकते। मनुष्य अब भावनाओं को समझने के बजाय तर्कों में उलझ गया है। वह हर बात का उत्तर चाहता है, हर व्यवहार का हिसाब चाहता है। जबकि प्रेम और अपनापन गणित के नियमों से नहीं चलते। रिश्तों में कभी-कभी मौन भी संवाद होता है और त्याग भी प्रेम की अभिव्यक्ति। मगर आज व्यक्ति की अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, तो वह तुरंत दूरी बना लेता है। वास्तव में झुकना हर बार कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता का भी प्रतीक है। जो वृक्ष फल से लदे होते हैं, वे झुक जाते हैं। उसी प्रकार जो व्यक्ति भीतर से मजबूत और संवेदनशील होता है, वही रिश्तों के लिए अपने अहं को त्याग सकता है। जीवन में हर जगह स्वयं को साबित करना आवश्यक नहीं होता। कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं, जहां जीतने से अधिक महत्त्वपूर्ण उन्हें बचाए रखना होता है। अगर हर व्यक्ति केवल अपनी जीत चाहता रहेगा, तो आखिर हार रिश्तों की ही होगी। जब लोग खुलकर अपनी भावनाएं साझा करते हैं, तब गलतफहमियों की गुंजाइश कम हो जाती है। मगर संवाद केवल बोलने का नाम नहीं है। सुनना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। आज अधिकांश लोग सुनते नहीं, केवल उत्तर देने की प्रतीक्षा करते हैं। यही कारण है कि लोग साथ रहते हुए भी एक-दूसरे को समझ नहीं पाते। अगर हम धैर्यपूर्वक सामने वाले की बात सुनें, उसकी परिस्थितियों और भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक समस्याएं खत्म हो सकती हैं।दरअसल, अत्यधिक अपेक्षाएं संबंधों को बोझ बना देती हैं। प्रेम तब सुंदर होता है जब उसमें स्वतंत्रता और विश्वास हो। अगर हर समय सामने वाले से पूर्णता की आशा की जाएगी, तो निराशा ही हाथ लगेगी। मनुष्य अपूर्ण है और यही अपूर्णता उसे मानवीय बनाती है। रिश्तों की खूबसूरती इसी में है कि हम एक-दूसरे की कमियों के साथ भी एक-दूसरे को स्वीकार करें। रिश्तों में 'सिर्फ मैं' का अत्यधिक विस्तार मनुष्य को भीतर से अकेला बना रहा है। अगर हमें अपने संबंधों को बचाना है, तो 'मैं' से 'हम' की यात्रा करनी होगी। हमें यह समझना होगा कि रिश्ते तर्क से नहीं, संवेदना से चलते हैं। वहां अहंकार नहीं, अपनापन काम आता है। संसार में सबसे सुंदर अनुभव किसी पर अधिकार जमाने में नहीं, बल्कि किसी के साथ आत्मीयता से जुड़ने में है।

एम्बाप्पे ने बनाया

वर्ल्ड रिकॉर्ड

एम्बाप्पे ने स्वीडन के खिलाफ दो गोल किए और वो अब फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में नॉकआउट स्टेज में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार खिलाड़ी लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था जिन्होंने टूर्नामेंट के इस स्टेज में आठ-आठ गोल किए थे। एम्बाप्पे फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में नॉकआउट मैचों में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए।

नॉकआउट में सबसे ज्यादा गोल

प्लेयर	गोल	साल
एम्बाप्पे (फ्रांस)	10	2018-2026
लियोनिडास (ब्राजील)	8	1934-1938
रोनाल्डो (ब्राजील)	8	1998-2002
जस्ट फोंटेन (फ्रांस)	7	1958
वावा (ब्राजील)	7	1958-1962
ओल्डरिच (चेकोस्लोवाकिया)	7	1934
पेले (ब्राजील)	7	1958-1970

फीफा वर्ल्ड कप में अब तक एम्बाप्पे के 18 गोल हो गए हैं जो इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं। उन्होंने जर्मनी के महान फुटबॉलर मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और इस खास लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) ही हैं। एम्बाप्पे ने अर्लिंग हालैंड को भी पीछे छोड़ दिया है और अब 2026 एडिशन में उनके नाम सबसे ज्यादा गोल (संयुक्त रूप से) हैं, सिर्फ मेसी (6) के भी इतने ही गोल हैं।

फ्रांस ने स्वीडन को हराया

● एम्बाप्पे के गोल से स्वीडन चित

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हरा दिया और अगले दौर में यानी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई जहां उसका मुकाबला अब पैराग्वे के साथ होगा। स्वीडन के खिलाफ फ्रांस के स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे को गजब का खेल दिखाया और दो गोल किए जबकि माइकल ओलिस का खेल भी बेहद दमदार रहा। इस दो गोल की मदद से एम्बाप्पे ने एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

एम्बाप्पे ने किए दो गोल

मेटलाइफ स्टेडियम में 80,000 से ज्यादा फैंस की मौजूदगी के बीच खेले गए इस मैच में डिडियर डेसचैम्प्स की टीम ने स्वीडन को खेल में जमने का कोई मौका नहीं दिया और शुरू से ही बॉल पर कब्जा, मैदान पर दबदबा और गोल करने के मौके बनाने में आगे रही। फ्रांस के चार अटैकिंग खिलाड़ी एक बार फिर जबरदस्त फॉर्म में दिखे। ओलिस ने मैच के दौरान उस्मान डेम्बेले और एमबापे के साथ शानदार तालमेल बिठाया और लगातार खाली जगहें ढूंढ़ते रहे। एम्बाप्पे ने 45वें और 74वें जबकि बारकोला ने 53वें मिनट में गोल दागा।

मेक्सिको ने इक्वाडोर को हराया

1986 के बाद नॉकआउट में पहली जीत दर्ज की

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ-16) में शानदार अंदाज में प्रवेश कर लिया। सह-मेजबान टीम ने बुधवार को मैक्सिको सिटी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इक्वाडोर को 2-0 से हराया। जूलियन क्विनोनेस और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ मैक्सिको ने 40 साल बाद विश्व कप के नॉकआउट चरण में जीत दर्ज की। यह 1986 के बाद मैक्सिको का पहला विश्व कप नॉकआउट मुकाबला था। खास बात यह रही कि उस साल भी मैक्सिको मेजबान था और उसने बुल्गारिया को 2-0 से हराकर जीत हासिल की थी। अब 2026 में भी टीम ने उसी स्कोर से जीत दर्ज कर इतिहास दोहरा दिया। इसके अलावा, मैक्सिको 1990 में इटली के बाद पहला मेजबान देश बन गया है जिसने विश्व कप के अपने शुरुआती चारों मैच जीते हैं।

नॉर्वे की पहली फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट जीत पर हालैंड ने कहा

अब सब कुछ है बोनस

आर्लिंगटन। फीफा विश्व कप में नॉर्वे को इतिहास की पहली नॉकआउट जीत दिलाने के बाद स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड बेहद खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि 28 वर्षों बाद विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने और ग्रुप चरण से आगे बढ़ने के बाद अब टीम के लिए आगे मिलने वाली हर सफलता 'बोनस' के समान है। एरलिंग हालैंड ने फीफा विश्व कप में अपने गोल करने का सिलसिला जारी रखते हुए अंतिम क्षणों में निर्णायक गोल दागा, जिससे नॉर्वे ने कोट डी आइवर को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ नॉर्वे ने 1998 के बाद पहली बार विश्व कप के अंतिम 16 (राउंड ऑफ 16) में जगह बनाई। हालैंड ने कहा, 'यह इतिहास है और इसका अहसास अविश्वसनीय है। हमने 28 साल बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया, फिर ग्रुप चरण पार किया और अब अगले दौर में पहुंचकर न्यूयॉर्क में ब्राजील से मुकाबला करेंगे। यह शानदार है। अब इसके बाद मिलने वाली हर उपलब्धि हमारे लिए बोनस है। अब हम बिना किसी दबाव के खेल सकते हैं और इस पल का आनंद ले सकते हैं, क्योंकि शायद हमें दोबारा ऐसा एहसास कभी नहीं होगा।' पूरे मैच के दौरान कोट डी आइवर के खिलाड़ियों ने हालैंड को काफी हद तक रोककर रखा। हालांकि, दूसरे हाफ में अमाद डियालो के शानदार बराबरी के गोल से मुकाबले में वापसी करने वाली कोट डी आइवर की चुनौती को हालैंड ने अपने निर्णायक गोल से खत्म कर दिया।

'फ्रांस से हारना कोई शर्म की बात नहीं'

न्यूजर्सी। स्वीडन के मुख्य कोच ग्राहम पॉटर ने फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की टीम फ्रांस से मिली हार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें अपनी टीम के अभियान पर गर्व है। उन्होंने स्वीकार किया कि फ्रांस जैसी मजबूत टीम से हारना किसी भी तरह से शर्म की बात नहीं है। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में स्वीडन ने फ्रांस के खिलाफ 4-4-2 फॉर्मेशन के साथ मैदान में उतरते हुए आत्मविश्वास भरी शुरुआत की। टीम ने आक्रामक रक्षात्मक खेल दिखाया, कई बार

गेंद अपने कब्जे में ली और कुछ अच्छे आक्रमण भी किए। लेकिन किलियन एम्बाप्पे के दो गोलों की बदौलत ले ब्लूज़ (फ्रांस) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्वीडन को हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीडन के मुख्य कोच ग्राहम पॉटर ने कहा, 'मुझे अपने खिलाड़ियों से किसी भी तरह की शिकायत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि फ्रांस जैसी टीम से हारना शर्म की बात है। वे बेहतर टीम थे और उनके पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। हमारे लिए यह अभियान आगे बढ़ने की मजबूत नींव है और अब तक के प्रदर्शन पर हमें गर्व होना चाहिए।'

मोरक्को से हार कर सफर खत्म

नीदरलैंड के कोच रोनाल्ड कोमैन ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद नीदरलैंड्स के कोच रोनाल्ड कोमैन ने पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी है। राउंड ऑफ 32 में मोरक्को और नीदरलैंड्स टीम का मुकाबला खेला गया, जिसमें नीदरलैंड की टीम को हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ वर्ल्ड कप में उसका सफर समाप्त हो गया है। मोरक्को के खिलाफ खेलते हुए नीदरलैंड की टीम के हार के साथ ही कोच रोनाल्ड कोमैन ने भी कोच का पद छोड़ दिया है। इसी के साथ मैनेजर के तौर पर 'ऑरेंज' (नीदरलैंड्स टीम) के साथ उनका दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया। कोमैन ने 2018 की शुरुआत में अपना पहला कार्यकाल शुरू किया, जो 2020 के मध्य तक चला। कतर में हुए वर्ल्ड कप के बाद, जिसमें नीदरलैंड्स क्वार्टर-फाइनल तक पहुँचा था, वे 2023 की शुरुआत में उन्होंने बतौर कोच फिर टीम से जुड़े थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर रोनाल्ड कोमैन ने कहा, 'मैंने डच नेशनल टीम के कोच के तौर पर अपना कार्यकाल खत्म करने का फैसला किया है। हम सभी ने एक ऐसे वर्ल्ड कप का सपना देखा था जिसमें हम इतिहास रचेंगे। हम कामयाब नहीं हो पाए। इस बात से मुझसे ज्यादा निराश कोई नहीं है। नेशनल कोच के तौर पर, यह जिम्मेदारी आपकी होती है। मैंने हमेशा इसे महसूस किया है, और हमेशा करता रहूंगा।

उन्होंने आगे कहा, 'इसके अलावा, पिछले कुछ सालों में मुझे एक बार फिर एहसास हुआ कि फुटबॉल से ज्यादा जरूरी चीजें भी हैं। फुटबॉल मेरी जिंदगी रही है, लेकिन सेहत अनमोल है।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: मेडल में दिखेगा ग्लासगो का इतिहास

3000 खिलाड़ी, 74 देशों की कहानी और पहली बार ब्रेल-टैक्टाइल डिजाइन

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतना हर खिलाड़ी के लिए करियर के सबसे यादगार पलों में से एक होता है। पोडियम पर खड़े होकर जब खिलाड़ी गले में मेडल पहनता है, तो वह सिर्फ एक प्रतियोगिता का परिणाम नहीं होता, बल्कि वर्षों की मेहनत, संघर्ष और सपनों की पहचान बन जाता है।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मिलने वाले मेडल सिर्फ सफलता का प्रतीक नहीं, बल्कि अपने अंदर पूरे शहर की कहानी भी समेटे होंगे, क्योंकि ऐसे आयोजन सिर्फ खेलों का मंच नहीं होते, बल्कि वे उस शहर की पहचान और संस्कृति को भी दुनिया के सामने लाते हैं, जहां उनका आयोजन होता है।

● ग्लासगो की पहचान से प्रेरित है मेडल का डिजाइन- इन मेडल्स को तैयार पुरस्कार विजेता कलाकार, डिजाइनर और मेकर मिलित्सा मिलेंकोवा ने किया है। वह ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट की आर्टिस्ट इन रेजिडेंस भी हैं। मेडल को पारंपरिक गोल आकार से अलग Reuleau& Triangle (घुमावदार त्रिकोणीय आकृति) का रूप दिया गया है। इसकी तीनों बराबर गोल घुमावदार भुजाएं ग्लासगो की पहचान और विरासत को दर्शाती हैं। यही खासियत इसे अब तक के कॉमनवेल्थ गेम्स के पदकों से अलग बनाती है। इस ज्यामितीय आकृति की हर घुमावदार रेखा और हर कोण ग्लासगो शहर की पहचान से जुड़ा है। इसके डिजाइन में शहर के इतिहास और संस्कृति को बेहद बारीकी से शामिल किया गया है। मेडल में ग्लासगो के कोट ऑफ आर्म्स, शहर की औद्योगिक विरासत का प्रतीक फिन्नीस्टन क्रेन और पारंपरिक टार्टन पैटर्न को जगह दी गई है।

जिम्बाब्वे ने किया उलटफेर

WTC की नंबर-4 टीम को पारी और 85 रन से हराया, सबसे बड़ी जीत दर्ज की

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे ने मंगलवार (30 जून) को बड़ा उलटफेर करते हुए बांग्लादेश को पारी और 80 रनों से हराकर टेस्ट क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जिम्बाब्वे की यह जीत बड़ी खास है क्योंकि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 रैंकिंग में बांग्लादेश चौथे नंबर पर है। हालांकि, बांग्लादेश को इस हार से नुकसान नहीं होगा, क्योंकि जिम्बाब्वे डब्ल्यूटीसी का हिस्सा नहीं है। ऐसे में डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप रैंकिंग पर इसका असर नहीं पड़ेगा।

जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद बांग्लादेश को 140 रनों पर आउट कर दिया। अपनी पहली पारी में 410 रन बनाए। फिर दूसरी पारी में बांग्लादेश को 185 रनों पर समेट दिया। जिम्बाब्वे ने 25 साल से ज्यादा समय बाद लगातार दो टेस्ट जीते हैं। इससे पहले उसे अक्टूबर 2025 में अफगानिस्तान को एक पारी और 73 रन से हराया था।

तीसरी बार जिम्बाब्वे ने लगातार दो टेस्ट जीते- अब बांग्लादेश पर जीत के साथ लगातार दूसरा टेस्ट अपने नाम किया। पिछली बार उन्होंने यह कामयाबी अप्रैल 2001 में हासिल की थी। उन्होंने इत्तेफाक से बांग्लादेश का दो मैचों की सीरीज में सूपड़ा साफ किया था। कुल मिलाकर यह सिर्फ तीसरी बार है जब जिम्बाब्वे ने लगातार दो टेस्ट जीते हैं। इससे पहले 1998 में उन्होंने भारत और पाकिस्तान को भी लगातार मैचों में हराया था।

न्यूमैन न्यामहुरी और ब्लेसिंग मुजरबानी ने झटके 4-4 विकेट- जिम्बाब्वे की जीत में गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाई। पहली पारी में न्यूमैन न्यामहुरी ने 4 विकेट झटके थे। दूसरी पारी में ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4 विकेट झटके। बांग्लादेश के लिए दोनों पारी मिलाकर मोमिनुल हक 60 रन ही अर्धशतक बना पाए। पहली पारी में 9 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए थे।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान

● अनमोल इक्का कप्तान, फ्रेडरिक सोयेज की कोचिंग में पहला टूर्नामेंट

नई दिल्ली। डिफेंडर अनमोल इक्का पांच से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे पर 22 सदस्यीय भारतीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे। यह दौरा फ्रांस के कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में टीम की पहली प्रतियोगिता होगी और इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप से पहले तैयारी का एक अहम चरण होगा। दौरे के दौरान युवा भारतीय टीम यूरोप की कुछ सबसे मजबूत टीमों का सामना करेगी।

भारतीय टीम ऑस्ट्रिया और बेल्जियम के खिलाफ दो-दो जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। इस दौरे से टीम को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का बहुमूल्य अनुभव मिलने की उम्मीद है। साथ ही महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले टीम को अपने संयोजन और खेलने के तरीके को परखने में भी मदद मिलेगी। गोलकीपर के रूप में विवेक लाकड़ा और कुणाल तेवतिया को टीम में जगह मिली है जबकि अनमोल रक्षापंक्ति की कमान संभालेंगे जिसमें रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की और वी मणिमारन भी शामिल हैं।

सुनील गावस्कर ने बताई भारतीय महिला टीम की हार की असली वजह

'ऐसा रविवार फिर नहीं देखना चाहेंगे'

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के लिए रविवार 28 जून 2026 का दिन निराशा से भरा रहा। पुरुष टीम को आयरलैंड के खिलाफ मिली हार और महिला टीम का ऑस्ट्रेलिया के हाथों आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होना, दोनों घटनाओं ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को निराश किया।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इस दोहरी निराशा पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसा रविवार भारतीय क्रिकेट प्रेमी दोबारा नहीं देखना चाहेंगे। उन्होंने महिला टीम की हार के पीछे खराब फील्डिंग, फिटनेस से जुड़े सवालों और मैदान पर रणनीतिक कमियों को बड़ी वजह बताया।

महिला टीम की हार पर सुनील गावस्कर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार चौंकाने वाली नहीं थी, लेकिन इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला भारत के लिए बेहद अहम था। उस मैच में खराब फील्डिंग ने टीम को नुकसान पहुंचाया और भारत मजबूत स्थिति से मैच गंवा बैठा।

सुनील गावस्कर ने महिला टीम के चयन और फिटनेस को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी पूरी तरह फिट नहीं है, लेकिन टीम के लिए मैच जिताने वाला प्रदर्शन करने की क्षमता रखता है तो उसे खिलाना समझ में आता है, लेकिन ऐसी स्थिति में रिजर्व खिलाड़ियों की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं।

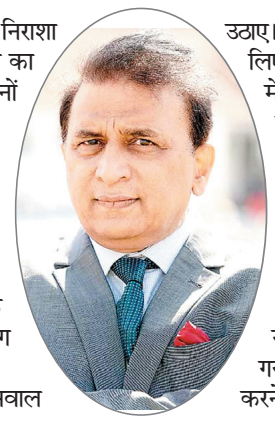

सुनील गावस्कर ने कहा कि मैदान पर कुछ खिलाड़ियों को अंगुलियों पर पट्टी बांधे हुए देखना यह संकेत देता है कि वे शायद पूरी तरह फिट नहीं थे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल एक धारणा हो सकती है और उम्मीद है कि वास्तविक स्थिति इससे अलग हो।

सुनील गावस्कर ने टीम की रणनीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ बल्लेबाजों द्वारा एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से रन बनाने की कोशिशों के बावजूद फील्ड प्लेसमेंट में बदलाव नहीं किया गया। उनके मुताबिक, बल्लेबाजों को जोखिम भरे शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की रणनीति अपनाई जा सकती थी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670